दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 155 | ग्वालियर शुक्रवार, 24 मार्च 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

जेल के बाहर पैंथर कमांडो की तैनाती

नई दिल्ली। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह की तलाश में पंजाब पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है. पंजाब पुलिस ने अब तक अमृतपाल के 154 समर्थकों को गिरफ्तार किया है. वहीं कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल के चाचा सहित उसके सात सहयोगियों को असम के डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार लाए जाने के बाद जेल की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है. जेल के सूत्रों ने बताया कि असम पुलिस के पैंथर कमाडो को जेल की बाहरी सुरक्षा में तैनात किया गया है. पंजाब पुलिस ने हाल में उत्तर भारतीय राज्य में खालिस्तान समर्थक संगठन 'वारिस पंजाब दे' के अध्यक्ष अमृतपाल सिंह के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू की थी और उसके कई समर्थकों को गिरफ्तार किया था. जिले के उपायुक्त विश्वजीत पेगू ने बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि 19 मार्च को पंजाब पुलिस द्वारा शुरुआत में संगठन के चार सदस्यों को लाए जाने के बाद से ही जेल के आसपास की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी. उन्होंने बताया कि मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिए गए अमृतपाल के चाचा हरजीत सिंह सहित उसके तीन और सहयोगियों को पंजाब पुलिस गृह राज्य से करीब 2500 किलोमीटर दूर असम लेकर आई. उपायुक्त विश्वजीत पेगू ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि आज के दिन तक डिब्रूगढ़ जेल में वारिस पंजाब दे के सात सदस्य कैद हैं. उन्हें उच्च सुरक्षा वाली कोठरियों में रखा गया है. अन्य कैदियों के मुकाबले एनएसए के तहत कैदियों के लिए अलग सुरक्षा व्यवस्था होती है. जेल के सूत्रों ने बताया कि असम पुलिस के पैंथर कमाडो को जेल की बाहरी सुरक्षा में तैनात किया गया है जबकि आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, असम पुलिस और जेल प्रहरियों को दी गई.

कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव के बीच यहां सस्ता हुआ पेट्रोल-डीजल

इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमत में मिलाजुला असर देखने को मिल रहा है. डब्लूटीआई क्रूड ऑयल में गिरावट तो ब्रेंट क्रूड ऑयल में बढ़ोतरी देखने को मिली है. डब्लूटीआई कच्चा तेल 0.78 फीसदी गिरकर 70.35 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट ऑयल 0.59 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 76.29 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था. इस बीच तेल कंपनियों ने भारत के सभी शहरों के लिए पेट्रोल-डीजल के नए रेट्स जारी कर दिए हैं. तेल कंपनियों की ओर से जारी किए गए नए रेट्स के मुताबिक, कई जगहों पर पेट्रोल की कीमत में गिरावट आई है तो कुछ जगहों पर इसमें मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है. हालांकि देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई और चेन्नई में इसके रेट्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है.

कहां सस्ता हुआ फ्यूल–नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये प्रति लीटर है, जिसमें 27 पैसे की कमी हुई है. वहीं डीजल 27 पैसे कम होकर 89.82 रुपये हो चुका है. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल के रेट 14 पैसे ब?कर 96.97 रुपये प्रति लीटर और डीजल 13 पैसे बढ़कर 89.76 रुपये हो चुका है. गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपये और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर हो चुका है. पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 107.59 रुपये और डीजल 50 पैसे सस्ता होकर 94.36 रुपये प्रति लीटर हो चुका है.

कालका जी मंदिर में हुड़दंग मचाना युवक को पड़ा भारी

नई दिल्ली। चैत्र नवरात्र का आज दूसरा दिन है. इस मौके पर भारी संख्या में लोग दिल्ली के कालका जी मंदिर में पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं. इस बीच सोशल मीडिया पर कालका जी मंदिर का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसकी चर्चा भी जमकर हो रही है. दरअसल, दिल्ली के कालका जी मंदिर कैंपस में सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी. इस घटना का किसी ने वीडियो बना लिया और कुछ देर बाद उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया. वहीं, पुलिस का कहना है कि मंदिर परिसर में लड़के हुड़दंग करने लगे थे. चैत्र नवरात्र की वजह से लोगों की संख्या भी काफी थी. अगर युवकों की गलत हरकतों को रोका नहीं जाता तो बाद में ये युवक बेकाबू हो जाते. फिलहाल, दिल्ली के कालका जी मंदिर से जुड़ी इस घटना का एक एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी एक युवक को पीटते हुए नजर आ रहे हैं. इस वीडियो पर दिल्ली पुलिस का कहना है कि कल करीब 40 लड़कों का ग्रुप मंदिर में दर्शन करने के लिए पहुंचा था. लड़के मंदिर के अंदर काफी हुड़दंग मचा रहे थे. इसी दौरान जब पुलिसकर्मियों ने हुड़दंग कर रहे युवकों को रोकने की कोशिश की तो वो पुलिसकर्मियों के साथ भी मिसबिहेव करने लगे. मामले को कंट्रोल से बाहर होता देख कुछ पुलिसकर्मियों ने शोर मचा रहे युवकों में से एक की पिटाई कर दी.

दिल्ली में पीएम मोदी के बाद अब सीएम केजरीवाल के खिलाफ लगा पोस्टर

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच पोस्टर वॉर शुरू हो गई है. पहले पीएम मोदी के खिलाफ शहर भर में पोस्टर लगाए गए थे, वहीं अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ पोस्टर लगाए गए हैं. मंडी हाउस के पास लगे पोस्टर में दिल्ली के मुख्यमंत्री की तस्वीर है और लिखा है- अरविंद केजरीवाल को हटाओ, दिल्ली बचाओ. यहां खास बात है कि निवेदक की जगह बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम है. आम आदमी पार्टी के मुखिया अरविंद केजरीवाल को पोस्टर में बेईमान, रिश्वतखोर और तानाशाह भी बताया गया है. इससे पहले, मंगलवार (21 मार्च) को पूरे दिल्ली शहर में पीएम मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्टर देखे गए थे. इसके खिलाफ, दिल्ली पुलिस ने करीब 100 एफआईआर दर्ज की और 6 लोगों को गिरफ्तार भी किया. प्रधानमंत्री के खिलाफ लग गए इन पोस्टरों पर लिखा था, मोदी हटाओ-देश बचाओ. दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के कार्यालय से एक वैन भी जब्त की, जिसमें ऐसे हजारों पोस्टर रखे हुए थे. इन पोस्टरों पर प्रिंटिंग प्रेस का नाम भी नहीं था और न ही ऐसी कोई जानकारी थी जिससे ये पता चल सके कि ये पोस्टर किसने छपे थे. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पुलिस की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पीएम मोदी को असुरक्षित और डरा हुआ बताया, जबकि पुलिस ने दावा किया कि उन्होंने आम आदमी पार्टी मुख्यालय से बाहर निकल रहे एक वाहन से 2,000 से अधिक पोस्टर जब्त किए.

पुलिस ने बताया कि दिल्ली के कई हिस्सों में दीवारों और खंभों पर ऐसे पोस्टर चिपके पाए गए थे जिन पर मोदी हटाओ, देश बचाओ लिखा था. उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए छह लोगों में दो प्रिंटिंग प्रेस के मालिक भी शामिल हैं, जिन्हें पोस्टर पर प्रिंटिंग प्रेस का विवरण नहीं देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. उन्होंने बताया कि घटना में आप का कोई कार्यकर्ता शामिल है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है. अधिकारी के मुताबिक दिल्ली संपत्ति विरूपण रोकथाम अधिनियम और प्रेस एवं पुस्तक रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई. दिल्ली पुलिस की कार्रवाई के खिलाफ आम आदमी पार्टी जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन करेगी. इस प्रदर्शन में अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे.

बाबा रामदेव का बड़ा फैसला, रामनवमी पर 100 युवक-युवतियों को बनाएंगे संन्यासी

नई दिल्ली। योग गुरू स्वामी रामदेव रामनवमी के दिन 100 लोगों को संन्यास की दीक्षा देंगे. इसके लिए यहां पतंजलि योग पीठ में बुधवार को नव संवत्सर चैत्र नवरात्रि के पर्व पर भव्य संन्यास दीक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसमें 40 महिलाएं और 60 पुरुष रामनवमी पर स्वामी रामदेव से संन्यास की दीक्षा लेंगे. इसके साथ ही लगभग 500 प्रबुद्ध महिलाओं और पुरुषों को स्वामी रामदेव के करीबी आचार्य बालकृष्ण ब्रह्मचर्य की दीक्षा देंगे. कार्यक्रम में रामदेव ने कहा कि रामनवमी के दिन चार वेदों के महापारायण यज्ञ की पूर्णाहूति के साथ रामराज्य की प्रतिष्ठा, हिन्दू राष्ट्र का गौरव और सनातन धर्म को युगधर्म और विश्वधर्म के रूप में प्रतिष्ठापित करने के लिए ये नव-संन्यासी हमारे पूर्वज ऋषि-मुनियों की संन्यास परंपरा में दीक्षित होंगे. उन्होंने कहा, ये वैराग्यवान विद्वान व विदुषी भाई-बहन अष्टाध्यायी, व्याकरण, वेद, वेदांग, उपनिषद में निष्णात होकर योगधर्म, ऋषिधर्म, वेदधर्म, सनातन धर्म की वैश्विक प्रतिष्ठा के लिए संकल्पित होंगे. इससे भारतीय सनातन संस्कृति के संरक्षण के अभियान को ऊर्जा मिलेगी. बाबा रामदेव ने कहा कि पतंजलि योगपीठ में स्त्री-पुरुष, जाति, मत, पंथ, धर्म, संप्रदाय की संकीर्णताओं का कोई भेद नहीं है और यहां से संन्यास दीक्षा में दीक्षित होकर सभी भाई–बहन सनातन धर्म की पताका पूरे विश्व में फहरायेंगे. अपने संबोधन में

राम मंदिर पर बोलते हुए रामदेव ने कहा कि इससे रामराज्य की प्रतिष्ठा होगी और राम मंदिर के साथ-साथ यह देश का राष्ट्र मंदिर भी बनेगा.

उन्होंने कहा कि राम मंदिर का लोकार्पण अगले वर्ष जनवरी में हो जाएगा और जम्मू–कश्मीर से धारा 370 भी समाप्त हो गई है. हांलाकि, उन्होंने कहा की अभी दो बड़े काम होने बाकी है पहला– समान नागरिक संहिता लागू करना और दूसरा जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाना. उन्होंने उम्मीद जताई की कि ये दोनों काम भी अगले साल 2024 तक हो जाने चाहिए. इससे पहले, भव्य संन्यास दीक्षा कार्यक्रम का उदघाटन् करते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि पतंजलि योगपीठ से 100 लोगों के संन्यास की दीक्षा लेना और संन्यास लेने की इच्छा जाहिर करने वाले 15000 युवाओं में से 500 प्रबुद्धजनों के आचार्य बालकृष्ण से ब्रह्मचर्य की दीक्षा लेने का अवसर बहुत रोमांचित करने वाला है. उन्होंने कहा कि यह चमत्कार तो स्वामी रामदेव ही कर सकते हैं. दस दिवसीय इस कार्यक्रम में देश के शीर्ष संतों के अलावा, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक मोहन भागवत, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भी शामिल होने की संभावना है. कुछ वर्ष पहले भी रामदेव सौ युवक युवतियों को संन्यास की दीक्षा दे चुके हैं.

करोड़ों का साम्राज्य, 17 देशों में भक्त और चमत्कार से इलाज

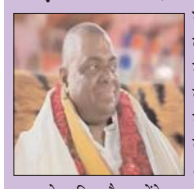

नई दिल्ली। बागेश्वरधाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री के बाद इन दिनों कानपुर के करौली बाबा सुर्खियों में बने हुए हैं. अपनी अजीबोगरीब बातों को लेकर वो चर्चा में रहते हैं. बीते दिनों उनके समर्थकों ने नोएडा के एक डॉक्टर की इसलिए पिटाई कर दी, क्योंकि उसने बाबा को चैलेंज कर दिया था. वहीं अब बाबा ने रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने तक का दावा ठोक दिया है. उन्होंने कहा कि वो ÷दोनों देशों के नेताओं की यादाश्त को मिटाकर युद्ध रोक सकते हैं.÷ खैर ये तो थी बाबा की अनोखी और अजीबोगरीब बातें, लेकिन अब बाबा के जीवन के बारे में भी जान लेते हैं. चलिए आपको बाबा के शुरुआती जिंदगी से लेकर अब तक की सारी कहानी बताते हैं. करौली बाबा का नाम संतोष सिंह भदौरिया है. संतोष सिंह भदौरिया लंबे समय तक आयुर्वेद के डॉक्टर रहे हैं. इसी के साथ वो किसानों के मुद्दे भी उठाते रहे हैं. 1989 में संतोष सिंह भदौरिया ने किसान यूनियन ज्वाइन की थी और इसके बाद वो भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष भी बने. संतोष भदौरिया उर्फ करौली बाबा पिछले तीन सालों से कानपुर में अपना आश्रम चला रहे हैं. कानपुर वाले करौली बाबा का आपराधिक इतिहास भी रहा है. 1992-95 के बीच उन पर हत्या, सेवन सीएलए समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हुए थे. कहा जाता है कि पुलिस से बचने के लिए करौली बाबा किसान नेता बन गया और बाद में जमीनों पर अवैध रूप से कब्जा करने लगा. यहां तक की कोतवाली थाना क्षेत्र में एक चर्च की जमीन का एग्रीमेंट कराकर रुपये तक हड़पने का आरोप भी है. करौली बाबा पर बिधनू में भूदान पट्टा पर सरकारी दस्तावेजों में हेरफेर कर कब्जा कर आश्रम खोलने का आरोप भी लगा. करौली बाबा वैदिक तरीके से गंभीर बीमारियों के इलाज का दावा करता है. उसके समर्थक दावा करते हैं कि उसके आश्रम में आने के बाद बड़ी से बड़ी बीमारी भी ठीक हो जाती है. ये भी कहा जाता है कि बाबा अपने चमत्कार से भी लोगों का इलाज कर देता है. बता दें कि ऐसी ही बातें बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के लिए भी कही जाती हैं. उन पर भी आरोप है कि वो लोगों को चमत्कार के नाम पर बेवकूफ बना रहे हैं.

शहीद दिवसः भगत सिंह-राजगुरु-सुखदेव ने दिया था आजादी के लिए बलिदान

नई दिल्ली। देश में शहीदों के सम्मान उनके बलिदान को याद करने के लिए आज का दिन (23 मार्च) को शहीद दिवस के तौर पर मनाया जाता है. भारत की आजादी के लिए लड़ने वाले भगत सिंह उनके साथी राजगुरु, सुखदेव को आज श्रद्धांजलि दी जाती है. दरअसल, आज ही के दिन भारत के सपूतों भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु ने फांसी की सजा को गले लगाया था. शहीद दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीनों के बलिदान को याद करते हुए ट्वीट कर लिखा, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान को भारत हमेशा याद रखेगा. ये ऐसे महान व्यक्ति हैं

जिन्होंने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान दिया. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी ट्वीट कर लिखा, मां भारती के अमर सपूतों, सरदार भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को उनके 'बलिदान दिवस' पर मैं श्रद्धापूर्वक नमन और वंदन करता हूं. देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान देने वाले इन महान क्रांतिकारियों से भारत की युवा पीढ़ी हमेशा प्रेरणा प्राप्त करती रहेगी. गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर लिखा, शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने स्वतंत्रता-आंदोलन को अपने विचारों व प्राणों से सींचकर, जिस क्रांतिभाव का संचार किया, वैसा इतिहास में विरले ही देखने को मिला. इनका शौर्य और देशप्रेम युगों तक प्रेरणादायक रहेगा. आज शहीद-दिवस पर करोड़ों देशवासियों के साथ इन्हें चरणवंदन करता हूं. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस मौके पर ट्वीट किया. उन्होंने लिखा, देश की आज़ादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले अमर शहीद सरदार भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू के बलिदान दिवस पर उनकी अमर शहादत को कोटि-कोटि नमन.

अफगानिस्तान से भारत तक कांपी धरती

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में मंगलवार (21 मार्च) रात को 6.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया. इसमें कई लोगों की जान भी गई. इस भूकंप का असर उत्तर भारत में भी देखने को मिला. दिल्ली-पंजाब-हरियाणा समेत कई राज्यों में तेज झटके महसूस किए गए. लोग अपने घरों से निकलकर सड़कों पर आ गए, लेकिन इस दौरान कई लोग ऐसे भी थे, जिन्हें ये झटके बिल्कुल भी महसूस नहीं हुए. अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है, तो डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आप अकेले नहीं हैं. इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, एडवांसिंग अर्थ एंड स्पेस साइंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, कई लोगों को भूकंप महसूस नहीं होने का एक बड़ा कारण यह है कि वो झटकों के दौरान पर्याप्त रूप से अच्छी तरह से स्थित नहीं होते हैं.

पीएम मोदी को चोर कहने के लिए राहुल गांधी दोषी हैं या निर्दोश?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज गुजरात पहुंचेंगे, जहां उनपर चल रहे एक मामले में आज सूरत कोर्ट में अहम सुनवाई होनी है. इस मामले में आज कोर्ट का फैसला आएगा. दरअसल, राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला उनकी उस टिप्पणी को लेकर दर्ज किया गया है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था, ''क्यों सभी चोरों का समान उपनाम मोदी ही होता है?'' राहुल की इस टिप्पणी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) विधायक और गुजरात के पूर्व मंत्री पुरनेश मोदी ने याचिका दायर की थी. वायनाड से लोकसभा सदस्य राहुल ने उक्त टिप्पणी 2019 के आम चुनाव से पहले कर्नाटक के कोलार में आयोजित जनसभा में की थी. गुजरात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष (जीपीसीसी) अध्यक्ष जगदीश ठाकोर, पार्टी विधायक दल के नेता अमित चावड़ा, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के गुजरात प्रभारी रघु शर्मा और विधायक सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेता पहले ही राहुल गांधी के आगमन के लिए सूरत

में मौजूद हैं. वहीं कांग्रेस नेता अमित चावड़ा का एक बयान आया है जिसमें उन्होंने कहा कि, हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है, फैसला हमारे पक्ष में आएगा. अंग्रेजों के खिलाफ महात्मा गांधी लड़े थे अब राहुल गांधी नए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ रहे हैं. राहुल गांधी के खिलाफ झूठा मुकदमा बनाकर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है.

राहुल गांधी के खिलाफ आईपीसी की धारा 499, 500 के तहत अपराध दर्ज किया गया था. जानकारी के अनुसार राहुल गांधी इस मामले में तीसरी बार कोर्ट में पेश होंगे. संभावना है कि राहुल गाधी सुबह 10:00 बजे एयरपोर्ट उतरने के बाद 10:30 बजे कोर्ट में पेश होंगे. कोर्ट में सुरक्षा के मद्देनजर इंतजाम किए गए थे. वहीं राहुल गांधी के वकील कीरित पानवाला ने बताया कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एचएच वर्मा की अदालत ने पिछले सप्ताह दोनों पक्षों की दलीलों की अंतिम सुनवाई की थी और फैसला सुनाने के लिए 23 मार्च की तारीख तय की थी.

बीजेपी में गुटबाजी के बीच अब अश्विनी वैष्णव का भी नाम चर्चा में

नई दिल्ली। राजस्थान में इस साल यानी 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में एक तरफ जहां सभी पार्टियों ने प्रदेश की जनता को अपने पाले में लाने की तैयारी शुरू कर दी है. वहीं दूसरी तरफ राज्य के प्रमुख समुदायों के लोगों ने भी अपने वर्चस्व को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है. हाल ही में राजस्थान की राजनीति में धमक रखने वाले जाट समुदाय ने एक बड़ी जनसभा आयोजित की थी. अब जाट के बाद अपनी मांगों को लेकर राज्य के ब्राह्मण समाज भी मुखर हो गए हैं. उन्होंने अपनी एकजुटता दिखाते हुए जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में पहली बार शक्ति प्रदर्शन किया. दरअसल रविवार, 19 मार्च को राजस्थान की राजधानी जयपुर में ब्राह्मण समाज ने महापंचायत का आयोजन किया था. इस महापंचायत में लाखों की संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई. यहां ना सिर्फ प्रदेश बल्कि देशभर से ब्राह्मण समाज के लोग जुटे थे.

इस महापंचायत में शामिल ब्राह्मण समाज की मांग है कि मुसलमानों की तरह हिंदुओं के लिए भी धार्मिक बोर्ड बनाया जाए. देश में सभी जाति-धर्म के लोगों के लिए समान कानून-व्यवस्था लागू करने और सभी जाति-धर्म के लोगों के विकास के लिए समानता बरतने की भी मांग की गई. इसके अलावा ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने अपने लिए ईडब्ल्यूएस के तहत आनुपातिक आरक्षण की भी मांग की है. मंच पर मौजूद समाज के नेताओं ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के 10 फीसदी कोटे में से 5 फीसदी आरक्षण ब्राह्मणों को दिया जाना चाहिए। इस ब्राह्मण महापंचायत में राज्य के मुख्यमंत्री ब्राह्मण समुदाय के किसी व्यक्ति को बनाए जाने की मांग उठाई गई है. इसके साथ ही बीजेपी और कांग्रेस दोनों ही दलों से मांग की गई है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में 30-30 टिकट ब्राह्मणों को दें. जयपुर विद्याधर नगर स्टेडियम में हुई ब्राह्मण महापंचायत ब्राह्मण समुदाय के कई बड़े नेता भी शामिल हुए थे. इन नेताओं में लोकसभा

सांसद रामचरण बोहरा, कांग्रेस नेता रघु शर्मा, केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, सीपी जोशी, पुष्पेन्द्र भारद्वाज और रामलाल शर्मा शामिल हैं. इस सम्मेलन में ब्राह्मण समुदाय के अलावा भी कुछ नेताओं को बुलाया गया था. इनमें से बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की पत्नी, पूर्व मंत्री गोलमा देवी और उपनेता राजेन्द्र राठौड़ शामिल है मौजूद रहे. इस महापंचायत को विधिवत पूजा-अर्चना, हवन-पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू किया गया. इस सम्मेलन की खास बात ये रही कि इस मंच को राजनीतिक नहीं बनाया गया. यहां सभी पार्टियों के कुछ नेता तो मौजूद थे लेकिन देशभर से पधारे धार्मिक गुरुओं और प्रबुद्ध वर्ग के लोगों को भी जगह दी गई थी. यह देश भर का पहला ऐसा ब्राह्मण महापंचायत था जिसके कार्यक्रम में देश-विदेश में मौजूद ब्राह्मण समाज के लोगों ने भी भागीदारी की. ब्राह्मण महापंचायत के दौरान मंच पर सिर्फ संत महात्माओं को ही जगह दी गई. लेकिन बाद में वहां कुछ अतिथियों को भी मंच पर आकर अपनी बात रखने का मौका दिया गया. यहां सभी नेता बारी-बारी से संबोधन दे रहे थे. महापंचायत में अतिथि के रूप में आमंत्रित रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संबोधन शुरू करते हुए कहा, मुझे सर या अश्विनी जी नहीं कहें बल्कि अश्विनी भाई कहकर संबोधित करें. उन्होंने वहां मौजूद लोगों से धर्म बचाने के लिए एकता दिखाने की भी अपील की. अश्विनी वैष्णव ने कहा, जो एकता आपने दिखाई, इस एकता को बनाये रखिये. उन्होंने यह भी कहा कि भगवान परशुराम पर डाक टिकट जारी हुआ है. यह सब आप की एकता का परिणाम है. इसके अलावा उन्होंने राज्य के सभी मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराने का भी मांग रखी. अश्विनी ने ये भी कहा कि राजस्थान विधानसभा में ब्राह्मण विधायकों की संख्या और ज्यादा होनी चाहिए. उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साधा किया है जिसमें वह जय परशुराम के नारे लगाते नजर आ रहे हैं. इसके साथ वह कहते नजर आ रहे हैं, एक नहीं, दो नहीं, तीन नहीं, दस नहीं बल्कि 82 रेलवे स्टेशनों का वर्ल्ड क्लास निर्माण करवाया जायेगा. सोशल मीडिया पर लोग अश्विनी वैष्णव के इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं. कार्यक्रम में अश्विनी वैष्णव आगे कहते हैं राज्य में आगे चलकर अजमेर, अलवर, असलपुर, जोबनेर, आबू रोड, बालोतरा, बांदीकुई, चित्तौड़गढ़, दौसा सहित अन्य जगहों पर विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन का निर्माण किया जायेगा. उन्होंने कहा कि दस साल पहले रेल बजट में राजस्थान को 600 करोड़ रुपए मिलते थे. अब राजस्थान को 9532 करोड़ रुपए का अनुदान मिल रहा है. राजस्थान में जितने ब्राह्मण नेता हैं वो बीजेपी से खफा हैं. इसलिए ऐसा माना जाता है कि वहां पर गुटबाजी हो रही है. दरअसल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सूबे के जोधपुर से आते हैं. इसी क्षेत्र से एक अन्य केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी बीजेपी के दिग्गज नेता हैं. लेकिन उनके होते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस तरह के भाषण को देखते हुए तो ये साफ नजर आ रहा है कि चुनाव से पहले बीजेपी खेमे के भीतर नए राजनीतिक समीकरण बन सकते हैं. रेलमंत्री अश्विनी ने ब्राह्मण महापंचायत के जोरदार भाषण से पार्टी के अंदर अपनी राजनीतिक क्षमता को उजागर कर दिया है. बता दें कि वैष्णव पहले आईएएस रहे हैं और कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. राजस्थान में कुल आबादी का 7 से 7.5 फीसदी हिस्सा ब्राह्मण समुदाय का है. लेकिन आखिरी बार इस राज्य में इस समुदाय का मुख्यमंत्री 33 साल पहले बना था. ऐसे में चुनाव से पहले पार्टी अगर ब्राह्मण समुदाय के लोगों की मांग नहीं पूरी करती तो वह 7 प्रतिशत मतदाताओं को नाराज कर सकती है.

स्वस्थ महिला सशक्त महिला की थीम पर महिला स्वास्थ्य शिविर संपन्न

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। आयुष विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयुषी स्वस्थ महिला सशक्त महिला की थीम पर आज गुरुवार को जिला आयुर्वेद चिकित्सालय परिसर पुरानी शिवपुरी में महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन कर शिविर का विधिवत शुभारंभ किया। विशिष्ठ अतिथि के रूप में पार्षद श्रीमती मोनिका राठौर उपस्थित रहीं। शिविर में आयुर्वेद पद्धति के 412 रोगी एवं होम्योपैथी से 202 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं निशुल्क औषधियों का वितरण हुआ। इस प्रकार कुल 614 लोगों को लाभ प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त लगभग 800 से अधिक लोगों को त्रिकटु काढ़ा का सेवन करवा कर इनकी उपयोगिता से परिचय करवाया गया। शिविर में बीपी एवं शुगर की जांच भी निशुल्क करवाई गई एवं देवारन्य योजना के अंतर्गत औषधीय पौधों की प्रदर्शनी लगाकर पौधों का वितरण भी किया गया। शिविर में आयुष क्योर एप के माध्यम से रोगियों को इंदौर भोपाल के विशेषज्ञों से चिकित्सा परामर्श भी करवाया गया। शिविर में जिला आयुष अधिकारी डॉ अनिल वर्मा, नोडल अधिकारी डॉ धर्मेंद्र दीक्षित, आर एम ओ डॉ पवन राजपूत के अलावा अन्य चिकित्सकीय स्टाफ एवं आयुष विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क बन गई परंतु पुल नहीं बना, आवागमन हो रहा बाधित, निरीक्षण करने पहुंचे विधायक

नहर पर पुल नहीं बनने तक विधायक की मांग पर अस्थाई पुल का होगा निर्माण

दैनिक पुष्पांजली टुडे

गोहद। सन् 2016 में स्टेशन से राय की पाली होते हुए हरीछा तक साडे 5 मीटर चौड़ी सीसी रोड का निर्माण कराया गया था। यह रोड बीएमसी मुख्य नहर से होते हुए निकली है इसी नहर पर जस्तपुरा के पास पहले सकरा पुल था जिससे हटाकर नया 12 मीटर चौड़ा एवं 25 मीटर लंबा पुल का निर्माण होना था जिसका टेंडर भी 2016 में हुआ था जो तोमर बिल्डर्स को दिया गया था। इसी बीएमसी नहर पर बने हुए पुराने जरजर पुल को तोड़कर लगभग 6 माह पहले पीडब्ल्यूडी के द्वारा हटा दिया गया था। परंतु उसी स्थान पर बनने वाले नए पुल का ठेकेदार के द्वारा आज तक पुल का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया है। जिससे जस्तपुरा से राय की पाली, सुहास सुनारी का पुरा, विसवारी पहुंचने वाले आम लोगों को नहर से निकलना पड़ता है। इसी बीएमसी नहर पर बनने वाले पुल निरीक्षण करने विधायक मेवाराम जाटव पहुंचे थे और उन्होंने निरीक्षण स्थल से ही जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री अंजुल दौहरे एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के कार्यपालन यंत्री केके शर्मा से फोन पर बात कर जल्द से जल्द पुल निर्माण के निर्देश दिए। जिस पर कार्यपालन यंत्री केके शर्मा ने विधायक को आश्वासन देते हुए कहा कि पुनः ठेका दिया जाकर पुल का निर्माण कराया जाएगा इस पुल के निर्माण से जस्तपुरा की

एक-दो दिन में जल्द ही कार्य शुरू हो जाएगा। जिसके चलते गुरुवार को पीडब्ल्यूडी विभाग के द्वारा ठेकेदार को 3 दिन के अंदर कार्य शुरू करने के निर्देश नोटिस के माध्यम से दिए गए यदि 3 दिन में कार्य शुरू नहीं होता है तो दूसरे ठेकेदार को ओर जाने वाले आम लोगों को लाभ होगा। नए पुल का कार्य शुरू नहीं होता तब तक अस्थाई पुल का होगा निर्माण- कार्यपालन यंत्री केके शर्मा के द्वारा बताया गया कि 2016 में हुए पुल के टेंडर पर ठेकेदार के द्वारा आज तक कार्य नहीं शुरू किया है जिसके लिए 3 दिन में कार्य शुरू करने का ठेकेदार को अल्टीमेटम दिया गया है। आवागमन की व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे इसके लिए बीएमसी नहर पर जब तक नए पुल का ठेकेदार के द्वारा कार्य शुरू नहीं किया जाता तब तक विधायक मेवाराम जाटव की मांग पर पाइप डालकर अस्थाई कच्चे पुल का निर्माण शुरू कराया जा रहा है।

केम्प लगाकर की जा रही है मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के अंतर्गत महिलाओं की ईकेवाईसी

अनिल कुशवाह, पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना में हितग्राहियों की ईकेवाईसी नगर परिषद पोहरी के वार्डों में केम्प लगाकर कर्मचारियों द्वारा महिलाओं की ईकेवाईसी की जा रही है। शासन के निर्देशानुसार समस्त निवासरत सभी संभावित पात्र महिलाओं को बुलाकर उनका ईकेवाईसी कराया जाना है। नगर परिषद सीएमओ तेज सिंह यादव ने बताया गया कि पोहरी नगर परिषद में 15 वार्ड है जिनमे नगर परिषद के कर्मचारियों द्वाराकेम्प लगाकर निःशुल्क ईकेवाईसी की जा रही है। हमने कर्मचारियों के तीन दल बनाए है जिनमें तीन तीन कर्मचारियों को रखा गया है जिनमे वार्ड क्रमांक 1, से 5 तक वीरू वर्मा आरआई, अमित धाकड़, शोभाराम वर्मा, व 6 से 10 तक योगेश गुप्ता, भानु वर्मा, कृष्णा खंगार एवं वार्ड 11 से 15 चंदशेखर यादव, मस्तराम वर्मा, कल्याण धाकड़ एवं लवकुश रावत की वेरीफाई की ड्यूटी नगर परिषद सीएमओ तेज सिंह यादव द्वारा ड्यूटी लगाई गई है। जो प्रतिदिन नगर परिषद के हर वार्डों में जाकर कैम्प के माध्यम से ईकेवाईसी की जा रही है कर्मचारियों द्वारा पोहरी नगर परिषद के सभी वार्डों को मिलाकर 23 अप्रेल शाम 7 बजे तक लगभग 656 महिलाओं की ईकेवाईसी कराई जा चुकी है शेष महिलाओं की ईकेवाईसी हेतु निरंतर कर्मचारियों द्वारा ईकेवाईसी की जा रही है।

जिले में मनाया गया 'आयुषी नारी शक्ति सम्मान समारोह'

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग द्वारा दिए गए निर्देशानुसार एवं कलेक्टर भिण्ड डॉ सतीश कुमार एस के मार्गदर्शन में तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ नीलम कुशवाह के नेतृत्व में आयुष विभाग भिण्ड द्वारा आज जिला स्तरीय नारी शक्ति सम्मान समारोह एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला अस्पताल परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भिण्ड विधायक संजीव सिंह कुशवाह तथा विशिष्टअतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती वर्षा बाल्मीकि रही और विशेष अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र सिंह नरवरिया, देवेंद्र सिंह भदौरिया, पूर्व अध्यक्ष महिला आयोग अध्यक्ष श्रीमती कृष्णकांता तोमर, कमलेश जुनेजा, विधायक प्रतिनिधि सुनील बाल्मीकि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती बसंती भूरिया, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद शिव प्रताप सिंह भदौरिया, जिला शिक्षा अधिकारी हरिभुवन सिंह तोमर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ यूपीएस कुशवाह, सिविल सर्जन डॉ अनिल गोयल एवं अन्य विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विशेष रूप से महिलाओं, गर्भवती महिलाओं, किशोरी बालिकाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिनमें उनकी विभिन्न प्रकार की जांच प्रमुख रूप से बीपी, हिमोग्लोबिन, शुगर, मलेरिया, वजन इसके अलावा अन्य आवश्यक जांच निःशुल्क की गई तथा उन्हें संबंधित विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा निःशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया गया एवं दवाईयां बांटी गईं। इस दौरान महिलाओं को विशेष रूप से माहवारी में अनियमितता, खून की कमी, गर्भावस्था के दौरान होने वाली विशेष प्रकार की परेशानियों, किशोरावस्था में आने वाली अनेक प्रकार की समस्या दूर करने के लिए एवं प्राणायाम का प्रशिक्षण भी दिया गया। शिविर में मरीजों का निःशुल्क चिकित्सा परामर्श किया गया। इस दौरान आने वाली महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं ने उनके लिए आवश्यक पोषण आहार की भी जानकारी प्राप्त की।

सरकार के अफसरों का रसूख पत्रकारों के साथ अन्याय

कवरेज करने गए पत्रकार का थाना प्रभारी ने छीना मोबाइल

पुष्पांजलि टुडे
ब्यूरो रिपोर्ट सोनू श्रीवास्तव

गुना। अभी स्वाभिमान दिव्यांग यात्रा में दिव्यांगों की मांगों पर शासन द्वारा उन्हें नजरअंदाज कर जो लापरवाही की जा रही है इसी बीच कवरेज करने गए पत्रकार के साथ थाना प्रभारी एवं वहां उपस्थित स्टाफ द्वारा अभद्रता की गई। बजरंगगढ़ थाना प्रभारी द्वारा गोलू सेन नामक एक पत्रकार का मोबाइल उस वक्त छीन लिया गया जब वह एक मामले की कवरेज करने गया गया हुआ था। गोलू सेन द्वारा बताया गया कि में बसैया समाचार पत्र एवं न्यूज नेशन 81 से ब्यूरो चीफ हूं जिसमें की मेरे संज्ञान में बजरगढ़ थाना क्षेत्र की एक खबर सामने आई थी जिसकी कवरेज करने में थाने गया था। लेकिन थाना प्रभारी एवं वहां के स्टाफ द्वारा मुझसे अपशब्द भाषा का प्रयोग करते हुए मेरा मोबाइल ले लिया गया एवं मुझे धमकाते हुए कहा कि दोबारा यहां नजर नहीं आना नहीं तो तेरे लिए सही नहीं होगा। अब सोचने वाली बात यह है कि एक पत्रकार के साथ इस तरह का बर्ताव जो की एक दिव्यांग भी है इस तरह थाना प्रभारी का रवैया पत्रकारों में रोष व्याप्त करेगा। इस मामले में जब फरियादी आवेदन देने गया तो उससे कहा गया कि अब आवेदन देने का समय खत्म हो चुका है। जिसका समय सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक है । वही सूत्र बताते हैं कि थाना प्रभारी की आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से अच्छी सांठगांठ एवं हफ्ता वसूली का कार्य भी किया लगातार किया जाता है जिसका खुलासा भी जल्द किया जाएगा।

विश्व हिंदू परिषद दल के द्वारा झरगांव तेतलपारा में मनाया गया सनातनी नव वर्ष

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झरगांव तेतलपारा में विश्व हिंदू परिषद दल के द्वारा भव्य रैली निकाल कर मनाया गया सनातनी नव वर्ष हिंदू नव वर्ष के दिन रितु की शुरुआत प्रतिपदा से शुरू होती है ये नई वर्ष के शुभारंभ का आदिकाल से चलते आ रही है इसी दिन को अंग्रेजी नव वर्ष के प्रति लोगों का उत्साह को पाश्चात्य सभ्यता की देन बताया जाता है। शाम 4बजे सभी युवा बाइक में 5किलोमीटर तक रैली निकाल कर श्री राम जी का जोर सोर जयकारा लगाया एवं रात्रि 7 बजे श्री राम मानस मंडली गोहरापदर के द्वारा महाराज श्री मनोज वैष्णो जी के मधुर वाणी से श्री राम कथा का गायन किया गया जिसका रसपान करने के लिए गांव के समस्त ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे। तथा राम कथा आरती समाप्ति के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थिति मुख्य अतिथि श्री सत्यवान सिंह विसिष्ट अतिथि श्री खिरलाल यादव, श्री मेनू राम पटेल, श्री जीवन लाल यादव, श्री महेंद्र प्रताप ध्रुव, श्री दुखू राम मांझी, श्री देवेन्द्र सिंह ध्रुव, महेंद्र नागेश, हरमोहन नायक, चितरू पटेल, पोकराज पटेल, देबोराम साहू, एवं युवा साथी राहुल नागेश, दिग्लेश् नेताम, डेवीट यादव, प्रवीण पटेल, हेमचंद नागेश, पप्पू नागेश, दिग्लेश नागेश, जगन्नाथ चक्रधारी, मनोज यादव, आदित्य यादव, जीवन लाल पटेल, इंद्र कुमार यादव विश्व हिंदू परिषद दल गोहरापदर एवं समस्त ग्रामवासी की सहयोग से आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ भदौरिया आज भिंड आएंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मध्य प्रदेश सरकार में लोक सेवा प्रबंधन एवं सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया अपने एक दिवसीय प्रवास पर 24 मार्च को भिंड आएंगे। स्थानी कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ अरविंद सिंह भदौरिया भिंड सर्किट कार्यकर्ताओं से मुलाकात एवं स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

खनियाधाना पुलिस की अवैध हथियारों के खिलाफ कार्यवाही

पुलिस थाना खनियाधाना द्वारा एक 315 वोर का कट्टा मय एक जिन्दा राउण्ड जप्त कर आरोपी किया गिरफ्तार

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

खनियाधाना। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री राजेश सिंह चंदेल द्वारा अवैध हथियारो के विरूध्द कार्यवाही करने हेतु लगातार आदेशित किया जा रहा था, उक्त आदेश के पालन मे अति. पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री प्रवीण कुमार भूरिया के निर्देशन में एस.डी.ओ.पी पिछोर श्री प्रशान्त कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 23.03.2023 को पुलिस थाना खनियाधाना पर जरिये मुखविर की सूचना प्राप्त हुई कि सिनावल खनियाधाना रोड़ सिनावल तिराहे पर एक संदिग्ध व्यक्ति जो कमर मे कट्टा खुरसा है कोई बारदात करने की नियत से घूम रहा है । उक्त सूचना पर से दविस दी गई तो मुखविर द्वारा बताये हुये संदेही को घेरकर पकड़ा व तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से एक 315 वोर का कट्टा लोडेड हालात मे मय एक जिन्दा राउण्ड के बरामद किया गया आरोपी के विरूध्द थाना खनियाधाना के अपराध क्रमांक 152/2023 धारा 25/27 आर्मस एक्ट का कायम कर आरोपी को जेल भेजा गया।

बरामद माल- एक 315 वोर का कट्टा मय जिन्दा राउण्ड के कीमती 3,000 रुपये

उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी थाना खनियांधाना निरी. सुरेश शर्मा, उनि रंगलाल मेर, आर. 621 बनवारी भिलाला, आर 1073 अनूप कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

झरगांव राजगोंड ग्रुप सभापति श्री सत्यवान सिंह ने चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की दी देशवासियों को शुभकामनाएं

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। जिला मैनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत झरगांव के राज गोंड ग्रुप सभापति श्री सत्यवान सिंह प्रदेशवासियों को चैत्र नवरात्रि, नव संवत्सर और गुड़ी पड़वा की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की है श्री सत्यवान सिंह ने कहा है कि चैत्र माह के पहले दिन से हिन्दू नववर्ष और नया संवत्सर शुरू होता है। इस दिन से नौ दिनों तक चलने वाले शक्ति आराधना के पर्व नवरात्रि का भी शुभारंभ होता है। महाराष्ट्र में इस दिन गुड़ी पड़वा का त्यौहार मनाया जाएगा जाता है श्री सत्यवान सिंह ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में मां शीतला, दंतेश्वरी, महामाया, बम्लेश्वरी, कंकाली, गंगा मैया, बिलईमाता, चंद्रहासिनी देवी तथा अन्य स्वरूपों में मां भगवती विराजमान हैं। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर छत्तीसगढ़ में लोग भक्ति-भाव और उत्साह के साथ नौ दिनों तक देवी आराधना का पर्व मनाते हैं। श्री सत्यवान सिंह ने देवी भगवती से प्रार्थना की है कि उनका आशीष प्रदेशवासियों पर बना रहे

कार्यकर्ता भाजपा की जनविरोधी नीतियों को बूथ स्तर तक पहुंचाए : भदौरिया

कांग्रेस का फूफ में हुआ हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

फूफ / भिण्ड। भाजपा की शिवराज सरकार ने 18 सालो में सिर्फ महगाई,और भ्रष्टाचार दिया है। विकास के नाम पर गुणवत्ता हीन सड़के, डंपर घोटाले और व्यापम घोटाले कर युवाओं का भविष्य चौपट किया है। ये बात कांग्रेस जिला महामंत्री एवं सूरपुरा ब्लॉक के प्रभारी शैलेन्द्र भदौरिया ने फूफ में आयोजित कांग्रेस हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम में कही। श्री भदौरिया ने कहा जनता भाजपा सरकार से पूरी तरह से त्रस्त है इसलिए कार्यकर्ता भाजपा की जनविरोधी नीतियों को बूथ स्तर तक पहुंचाने का कार्य करें। कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता एवं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा.अनिल भारद्वाज ने कमलनाथ के नेतृत्व वाली 15 महीने की सरकार में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे कमलनाथ ने 15 महीने की सरकार में 100 यूनिट 100 रुपए फ्री बिजली और किसानों का कर्ज माफ जैसी योजनाएं चलाई। उन्होंने कहा कांग्रेस जो कहती हैं वो करती है इसलिए हमारी कांग्रेस सरकार आते ही

माता, बहिनो को हर माह 1500 सौ रुपए सरकार देगी । साथ ही गैस सिलेंडर आपको सिर्फ 500 सौ रुपए में कमलनाथ जी ने देने का वादा भी किया है। संगठन मंत्री इरशाद अहमद ने कहा हाथ से हाथ जोड़ो अभियान सिर्फ भाजपा की जनविरोधी नीतियों को ही पोल खोलने का ही नही बल्कि कांग्रेस पार्टी को मजबूती प्रदान करने का भी आधार है, कार्यकर्ता पोलिंग बूथ पर जाकर कांग्रेस पार्टी की विचार धारा को आगे बढ़ाते हुए लोगो को जोड़ने का काम करे साथ ही अच्छा कार्य करने वालो को पार्टी में नई जिम्मेदारी प्रदान की जाएगी। कार्यकर्ता मंडल,सेक्टर के जिम्मेदार लोगो को साथ लेकर बूथ जीतने की योजना तैयार करें। और 2023 में प्रदेश में फिर से सरकार और अटेर में कटारे जी की जीत को सुनिश्चित करें। कार्यक्रम को जिला महामंत्री राजेश शर्मा,दीपू दुबे,गोपाल राजावत, डा.जितेंद्र दीक्षित,राजेंद्र चौधरी,संजू त्रिपाठी, शेर मुहम्मद आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जेठे चौधरी,खुशीलाल, दुर्गा प्रसाद चौधरी, संतोष चौहान,पंकज,दिनेश चौधरी, आजाद खान,लाल खान,बाबू खान,नरेश चौधरी,अजय, उमाशंकर पटेल, रविंद्र दुबे, रामसिया जाटव,पवन यादव आदि उपस्थित रहे।

हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय गुर्जर दिवस एवं हिंदू नव वर्ष

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। 78 ईस्वी वर्ष में कुषाण वंश के महान गुर्जर सम्राट कनिष्क महान के राज्यारोहण दिवस एवं शक संवत के प्रारंभिक दिवस 22 मार्च को मनाये जाने वाले अंतर्राष्टीय गुर्जर दिवस एवं हिन्दू नववर्ष को बडे ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से एक दूसरे को चंदन तिलक लगाकर गुर्जर भवन मुरार मे गुर्जर अधिकारी कर्मचारी संघ के नेतृत्व में मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सेवी मजबूत सिंह बाबूजी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महामंत्री काग्रेंस कमेटी म.प्र. भीकम सिंह गुर्जर ने गुर्जर समाज को शिक्षा के माध्यम से आगे बड़ाने एवं राजनीतिक भागीदारी का संदेश देते समाज एकता की बात कही। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित ग्वालियर जिला पंचायत के उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह घुरैया ने गुर्जर छात्रावास के निर्माण की बात रखते हुए अपनी तरफ से इक्यावन लाख रूपये देने की घोषणा की। ताकि समाज के गरीब छात्रों को निःशुल्क शिक्षा एवं रहने की व्यवस्था हो। गुर्जर अधिकारी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्रीराम गुर्जर द्वारा समाज के पुरातन इतिहास एवम गुर्जर संस्कृति पर प्रकाश डालते हुये समाज के पूर्वजों एवम महापुरुषों के आदर्श पर चलने के साथ ही शिक्षा के महत्त्व पर विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन गुर्जर अधिकारी कर्मचारी संघ के विश्वनाथ सिंह कंसाना ने किया। अंत में आभार गुर्जर किरण पत्रिका के संपादक कुँ. सरदार सिंह गुर्जर ने किया। इस अवसर पर रिटायर्ड डीएसपी भूपेंद्र सिंह घुरैया, पूर्व जनपद अध्यक्ष बाबू सिंह गुर्जर, रामचित्र सिंह अहमाना, रामेश्वर सिंह गुर्जर, आर. के.गुर्जर,परमाल सिंह घुरैया, करमवीर गुर्जर, जीतू गुर्जर सहित कई लोग उपस्थित रहे।

लहार विधानसभा के नगरीय निकाय क्षेत्रों में कांग्रेस समर्थित पार्षद और उनके परिवार जन केवाईसी में महिलाओं से कर रहे हैं अवैध वसूली : सरोज जोशी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती सरोज जोशी ने काहे की लहर क्षेत्र के नगरीय निकाय संस्थाओं में कांग्रेश के समर्थित पार्षद और जनप्रतिनिधि लाडली बहना योजना के तहत महिलाएं केवाईसी करवाने पहुंच रही है तो उनसे उनके परिवार जन अवैध वसूली कर रहे हैं। जिसकी सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल लहार एसडीएम एवं भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती नीलम शर्मा को दूरभाष कर अवगत कराते हुए बताया कि अवैध वसूली करने वालों पर निगरानी रखें और अपनी टीम के साथ पहुंचकर महिलाओं की केवाईसी कराने में सहयोग प्रदान करें ताकि कांग्रेस के लोग महिलाओं को भ्रमित ना कर सके और उन से अवैध वसूली ना करें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की यह महत्वपूर्ण योजना है लाडली बहना योजना जो हमारी महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान कर रही है और कांग्रेस के लोग इस योजना का झूठा श्रेय लेना चाहते हैं।

महिला मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती जोशी ने कहा कि कांग्रेश के जनप्रतिनिधि के परिवार जन स्वयं कैंपों में पहुंचकर महिलाओं से केवाईसी में पैसा वसूलने का काम कर रहे हैं। यह कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट निर्देश कर दिया है कि किसी भी बहन से अवैध वसूली की जाएगी तो उस पर कठोर कार्रवाई होगी जिस पर जिला प्रशासन ने भी अपने संज्ञान में लेते

हुए अधिकारियों को निर्देशित किया है कि महिलाओं से अवैध वसूली ना की जाए उन्होंने बताया की केवाईसी में कांग्रेश समर्थक कर्मचारी भी महिलाओं से 40 से ड़ 100 तक वसूलते कर रहे हैं, तब उनकी केवाईसी हो पा रही है जबकि हमारी बहने पूर्ण रूप से सुबह से शाम तक केवाईसी के लिए कैंपों में पहुंच रही है। लहार एसडीएम को सूचित करते हुए इसे तत्काल कार्रवाई करने के लिए कहा कि महिलाओं से अवैध वसूली करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए निशुल्क केवाईसी में महिलाओं का सहयोग किया जाना उचित होगा। भाजपा नेत्री श्रीमती सरोज जोशी ने कहा कि कांग्रेश जो कि महिलाओं से अभद्र वसूली कर रहे हैं यह पहले अपने गिरेबान में झांक कर देखें कि ईमानदारी का पाठ पढ़ाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पहले आपस में ही सलाह करें कि कितने देना है कमलनाथ कह रहे हैं,कि हम ड़ 15000 देंगे जिला कांग्रेस अध्यक्ष कह रही है कि हम 18000 देंगे तो झूठ कौन निकला तो पहले आपस में तय करें कि महिलाओं को भ्रमित करने की कोशिश ना करें। भाजपा नेत्री श्रीमती जोशी ने कहा कि महिलाएं निशुल्क केवाईसी कराएं किसी भी प्रकार का कोई शुल्क नहीं दें। भाजपा महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष श्रीमती नीलम शर्मा ने लहार अलका के प्रत्येक कैंपों में कांग्रेस द्वारा की जा रही अवैध वसूली को अपने संज्ञान में लेते हुए पूर्ण रूप से कमर कस ली है और हर वार्ड में महिलाओं के टीम के साथ इस पर निगरानी रख रही हैं उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर हमारी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता केवाईसी कराने में महिलाओं का पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे।

बरथरा गाँव में चोरों ने सूने घर मे दिया चोरी को अंजाम

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। बोह थाना अंतर्गत ग्राम बरथरा में मंगलवार की बीती रात चोरों ने एक सुने घर मे चोरी को अंजाम दे दिया। फरियादी ने दबोह थाने पहुंच कर रिपोर्ट दर्ज कराई।फरियादी विद्या देवी पत्नी स्व रामाधार कौरव उम्र 70 बर्ष अपनी बहू लक्ष्मी कौरव के साथ थाना दबोह पुलिस को बताया कि मैं सोमवार को अपनी लड़की के घर दबोह आई थी और वहीं रुकी सुबह मेरी बहु लक्ष्मी बरथरा गई तब उसने फोन पर घर मे चोरी होने की घटना की जानकारी दी।जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की।फरियादिया ने पुलिस को चोरी में गए सोने, चाँदी, जिनकी कीमत एक लाख बताई जा रही।वहीं घर पर रखे अस्सी हजार रुपये भी चोर ले गए।फरियादिया ने सुंदर सिंह,अरुणप्रताप कौरव,सतेंद्र कौरव तीन लोगों पर चोरी करने की अपनी शंका जाहिर की है। दबोह पुलिस ने फिलहाल धारा 457,380 के तहत कायमी कर विवेचना में ले लिया है।आपको बता दें कि ड़रियादिका की बहू लक्ष्मी कौरव मध्यप्रदेश आशा,सहयोगीनी श्रमिक संघ की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना के लिए महिलाएं संगठित होकर फार्म भर कर योजना का लाभ प्राप्त करें : पूर्व विधायक कुशवाह

पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह नगर परिषद अध्यक्ष रवि शत्रुघन यादव के यहां विशाल भंडारे में पहुंचकर जनता से की मुलाकात

पंकज त्रिपाठी, दैनिक पुष्पांजली टुडे

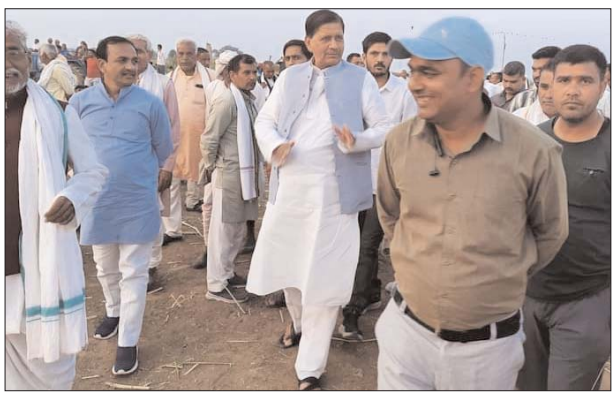

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह खबर बनाए राय ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की महत्वपूर्ण योजना लाडली बहना जो कि महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करेगी भिंड विधानसभा क्षेत्र की समस्त बहने संगठित होकर 25 मार्च से फार्म भरने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है जिसमें आयोजित कैंपों में पहुंचकर फार्म भरकर योजना का लाभ प्राप्त करें ताकि आपके खाते में ड़ 1000 की राशि की प्रतिमा पहुंच सके यह महत्वपूर्ण योजना है और सब महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। पूर्व विधायक कुशवाहा ने नगर परिषद अध्यक्ष रवि शत्रुघ्न के यहां भंडारे में पहुंचकर लोगों से मुलाकात की लाडली बहना योजना की विशेषता बताते हुए कहा कि सब बहनों को प्रत्येक बूथ पर संगठित होकर योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए फार्म भरवाए ताकि योजना का लाभ होने मिले। पूर्व विधायक श्री कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री की लाडली बहना योजना में कोई भी पात्र माताएं, बहने छूट न पाए इस बात का ध्यान रखा जाए। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं से कहा कि हमारी कई बहने, माताएं कम

पड़ी लिखी है। उन्हें आप लोगो को जाकर समझना चाहिए।जाग्रति अभियान चलाए जिन महिलाओं के बैक खाते, परिवार आई, डी, में आधार कार्ड या मोवाइल नम्बर लिंक नही है। उन्हें लिंक कराए इसके लिए नगर परिषद ने दबोह में सात जगहों पर केम्प लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन स्तर पर अभी सभी बैकों की एक बैठक की थी जिसमे उन्हें स्पस्ट कहा गया है कि वह ग्राहकों की केवाईसी करें। साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग सार्वजनिक बितरण की दुकान चला रहे हैं वह भी महिलाओं के आधार कार्ड से मोवाइल नम्बर जोड़े यह अभियान 17 से 23 तक चलेगा। साथ ही इस योजना में कुछ परेशानियां आ रही उन दिक्कतों का समाधान भी बताया। उन्होंने कहा कि समय रहते यह काम पूरा होना चाहिये। जरूरत पड़ी तो इसके लिए ओर कर्मचारियों की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों एवं नगर परिषद हो मैं भारतीय जनता पार्टी के मंडल इकाइयों के पदाधिकारी महिला मोर्चा की कार्यकर्ता इस अभियान में महिलाओं का पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे अगर कोई भी नगर परिषद के कर्मचारी महिलाओं को कांग्रेस के इशारे पर भ्रमित करते हैं तो इस पर भी नजर रखी जाएगी पूरे समय पार्टी के कार्यकर्ता कैंप पर मौजूद रहकर महिलाओं का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता फार्म भर आने में समस्त बहनों का सहयोग भी करेंगे ताकि उन्हें कोई कठिनाइयां ना आ सके। उनके साथ नगरपालिका के पूर्व पार्षद अजीत सिंह भदौरिया एवं ग्रामीण जन काफी संख्या में मौजूद थे।

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल आज भिंड आएंगे

बूथ विस्तारक अभियान की समीक्षा करेंगे,वरिष्ठ नेताओं से करेंगे मुलाकात

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत 24 मार्च को भिंड जिले की एक दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। जिले में 181 मतदान केंद्रों पर चलाए जा रहे बूथ विस्तारक अभियान की समीक्षा करेंगे। पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक में शिरकत करेंगे। पार्टी जिलाध्यक्ष नरवरिया ने बताया क्षेत्रीय संगठन मंत्री जमवाल प्रातः 9 बजे दिनांक 24 मार्च को ग्वालियर से भिंड के लिए प्रस्थान करेंगे 10 ꞊ 30 बजे बैंड पहुंचेंगे 11 बजे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट करेंगे। 12 से 2 तक पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लेंगे 2 बजे भोजन करेंगे। शाम 4 बजे भिंड से मुरैना के लिए प्रस्थान करेंगे। शाम 5 ꞊ 30 बजे मुरैना पहुंचेंगे। 7 बजे से 8 बजे तक 8 ꞊ 30 बजे तक

बैठक में भाग लेंगे। बैठक में जिले में निवासरत प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य, भाजपा जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष,, मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रकोष्ठ के जिला संयोजक को आमंत्रित किया गया है। भिंड शहर के होटल किंग इंपिरियल मैं बैठक आयोजित की जाएगी। 10:30 बजे भाजपा कार्यालय क्वार्टर जीन जिंग कॉलोनी में वरिष्ठ जनों से मुलाकात करेंगे। पार्टी जिलाध्यक्ष श्री नरवरिया ने सभी अपेक्षित पार्टी के पदाधिकारियों वरिष्ठ नेताओं से आग्रह किया है कि वे निर्धारित स्थानों पर पहुंचकर अजय जमवाल के साथ बैठक में शामिल रहे।

कोविड की सीख से इन्फ्लूएंजा वायरस का मुकाबला

दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई हिस्सों में इस समय इन्फ्लूएंजा ए के सब टाइप एच3एन2 वायरस का प्रकोप तेजी से फैल रहा है। केंद्र सरकार से प्राप्त अब तक के आंकड़ों के अनुसार एच3एन2 सहित इन्फ्लूएंजा के विभिन्न सब टाइप के तीन हजार से अधिक संक्रमण के मामलों की पुष्टि हुई है। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में एच3एन2 वायरस खतरा बढ़ गया है। इस वायरस से देश में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं वायरस का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र में है। यहां अब तक स्वाइन फ्लू और एच3एन2 के कुल 352 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें एच3एन2 से पीड़ित 58 मरीज हैं। भारत में जनवरी से मार्च तक का वक्त फ्लू सीजन माना जाता है। इस दौरान लोगों में सर्दी, खांसी और बुखार जैसे लक्षण देखने को मिलते हैं। इस बार का फ्लू सीजन काफी अलग है। इस बार न सिर्फ मरीजों की संख्या कई गुना बढ़ी है, बल्कि उनकी खांसी भी हफ्तों ठीक नहीं हो रही। मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की भी नौबत आ रही है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि लैब में टेस्ट किए गए इन्फ्लूएंजा सैंपल्स में से लगभग 79 फीसदी में एच3एन2 वायरस पाया गया है। इसके बाद 14 फीसदी सैंपल्स में इन्फ्लूएंजा बी विक्टोरिया वायरस पाया गया है और 7 फीसदी में इन्फ्लूएंजा ए एच1एन1 वायरस पाया गया है। एच1एन1 को आम भाषा में स्वाइन फ्लू भी कहा जाता है। इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 के तेजी से फैलने के बारे में विशेषज्ञों ने पहले ही आगाह किया था। तब इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने कहा था कि पिछले 2-3 महीनों में इन्फ्लूएंजा टाइप ए के सबटाइप एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस वायरस को लेकर कहा कि ये वायरस भीड़-भाड़ वाली जगहों में आसानी से लोगों को अपना शिकार बनाता है।

एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस से संक्रमण के बाद गंभीर लक्षण विकसित होने की संभावना अधिक होती है। इनको बीमारी से उबरने में अधिक समय लग सकता है। पिछले तीन साल में ज्यादातर लोग कोविड-19 से प्रभावित हुए हैं। इसका असर अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के साथ इम्यून सिस्टम पर भी देखा जा सकता है। एंटीजेनिक ड्रिफ्ट के कारण फ्लू वायरस हर साल बदलता है और मौजूदा समय में प्रमुख वायरस एच3एन2 है। इन्फ्लूएंजा वायरस पर मेदांता के इंस्टिट्यूट ऑफ इंटरनल मेडिसिन एंड रेस्पिरेटरी एंड स्लीप मेडिसिन के अध्यक्ष और चिकित्सा शिक्षा निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया के मुताबिक एच3एन2 एक प्रकार का इन्फ्लूएंजा वायरस है। ये हर साल इस मौसम में होता है। उन्होंने बताया कि ये इस तरह का वायरस है जो समय के साथ म्यूटेट होता है। इसे मेडिकल की भाषा में एंटीजेनिक ड्रिफ्ट कहते हैं। एच1एन1, वायरस का वर्तमान सर्कुलेटिंग स्ट्रेन एच3एन2 है, इसलिए यह एक सामान्य इन्फ्लूएंजा स्ट्रेन है। उनका कहना है कि इसलिए मौजूदा वक्त में हम इन्फ्लूएंजा के केसों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। इसके मरीजों में बुखार, गले में खराश, खांसी, शरीर में दर्द और नाक बहने के मामले बढ़ रहे हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस की वजह से होने वाला सांस का एक तेज संक्रमण है जो दुनिया के सभी हिस्सों में फैलता है, और विश्वस्तर पर कुछ महीनों के दौरान इसके मामलों में बढ़ोतरी देखी जाती है। भारत में हर साल मौसमी इन्फ्लूएंजा दो बार चरम पर होता है। एक जनवरी से मार्च तक और दूसरा मानसून के बाद होता है। भारत में अब तक केवल एच3एन2 और एच1एन1 संक्रमण का पता चला है। कोविड महामारी के दो साल बाद, बढ़ते फ्लू के मामलों ने लोगों में फिक्र बढ़ा दी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, मौसमी इन्फ्लूएंजा वायरस ए, बी, सी और डी चार तरह का होता है। इनमें ए और बी से मौसमी फ्लू होता है। इन्फ्लूएंजा ए के दो प्रकार एच3एन2 और एच1एन1 होते हैं। इन्फ्लूएंजा टाइप बी का कोई प्रकार नहीं होता, लेकिन लाइनेज होते हैं। इनमें सी सबसे कमजोर और कम खतरे वाला माना जाता है। इसका डी टाइप मवेशियों को शिकार बनाता है। आईसीएमआर के मुताबिक, सर्विलांस डेटा बताता है कि 15 दिसंबर के बाद से एच3एन2 के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। इन मामलों में सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन वाले आधे से ज्यादा मरीज एच3एन2 के संक्रमण से ग्रस्त रहे।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों के लिए इन्फ्लूएंजा वायरस एच3एन2 का संक्रमण गंभीर हो सकता है। उन्होंने कहा कि लोग मास्क का इस्तेमाल करते रहेंगे तो इससे काफी हद तक बचाव किया जा सकेगा। उन्होंने जानकारी दी थी कि इस वायरस के लिए वैक्सीनेशन शुरू करने का निर्णय लेने की बात चल रही है। सभी वायरल बुखारों में लगभग समान लक्षण होते हैं। शुरुआत में यह अंतर करना बहुत मुश्किल है कि आपको कौन-सा वायरल इन्फेक्शन है। आइसीएमआर ने हाल में अपनी स्टडी में पाया कि वर्तमान में लोगों में जो इन्फेक्शन हो रहा है वो बड़े पैमाने पर एच3एन2 इन्फ्लूएंजा वायरस का है, कोरोना का नहीं है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार फिलहाल भारत में इन्फ्लूएंजा के मामले जिस तेजी से बढ़े हैं उससे लगता है कि यह दौर लंबे समय तक चलेगा। इसके लक्षण जैसे खांसी और खराश तीन हफ्ते तक रह सकते हैं। वहीं आमतौर पर मौसमी बुखार और खांसी करीब पांच से सात दिन तक रहते हैं। इन्फ्लूएंजा एच3एन2 (एच3एन2) में सतर्कता बरतनी जरूरी है। इसकी संक्रमण क्षमता ज्यादा है। जुकाम, बुखार, खांसी व शरीर में दर्ज जैसे सामान्य लक्षण हैं। जिन लोगों को सांस संबंधी कोई बीमारी, एलर्जी, ब्लड प्रेशर व शुगर की समस्या है, वे ज्यादा सावधानी बरतें। इन्फ्लूएंजा पर जो अध्ययन हुए हैं, उसके मुताबिक, इन्फ्लूएंजा की चपेट में आने वाला एक व्यक्ति चार और लोगों को संक्रमित कर सकता है। संक्रमित व्यक्ति से जितनी दूरी बनाए रखेंगे, उतना ही अच्छा रहेगा। इन्फ्लूएंजा बिल्कुल कोरोना संक्रमण जैसा है। लिहाजा, मास्क लगाने व समय-समय पर हाथ धुलने की आदत बनाए रखनी चाहिए। इधर बच्चों में बुखार, सिरदर्द, जुकाम और खांसी की समस्या बढ़ी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और साथ ही गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में एच3एन2 वायरस का संक्रमण चिंताजनक हालात पैदा कर सकता है। आमतौर पर हर साल भारत में मौसमी इन्फ्लूएंजा का सबसे ज्यादा असर ठंड के मौसम और मानसून के बाद के महीनों में देखा जाता है।

संपादकीय

सेहत का महाव्रत

यह भारतीय मनीषियों की दूरदृष्टि व जीवन के प्रति संवेदनशील नजरिये का ही प्रमाण है कि हमारे तीज-त्योहार ऋतु चक्र से जुड़े रहे हैं। ऐसे वक्त में जब प्रकृति अपने उदात्त रूप में जीवन में नये उत्साह का संचार करती है। इसी कड़ी में साल में दो बार आने वाले नवरात्र पर्व भी मौसम के संधिकाल में आते हैं। पहले, मार्च में जब मौसम ठंड से गर्मी की ओर प्रस्थान कर रहा होता है और दूसरे अक्तूबर के आसपास जब गर्मी के बाद सर्दी की दस्तक हो रही होती है। मौसम के इस संधिकाल में तमाम तरह के परिवर्तन न केवल मानव शरीर में बल्कि अन्य जीव-जंतुओं व सूक्ष्मजीवियों में भी होते हैं। ऐसे में खान-पान के संयम से शरीर में इतनी अतिरिक्त ऊर्जा का संचार किया जाता है ताकि शरीर ऋतु परिवर्तन चक्र के अनुरूप ढल सके। दरअसल, नवरात्र में आठ दिनों का उपवास इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। जिसके जरिये हम संयम का पालन करते हुए आत्मबल में वृद्धि कर सकें। दरअसल, ऋषि-मुनियों की स्पष्ट धारणा थी कि हमारा शरीर ब्रह्मांड की तरह से पांच तत्वों से बना है। जिस तरह पृथ्वी, आकाश, वायु, जल और अग्नि प्रकृति में विद्यमान हैं, उसी तरह हमारे शरीर में भी। सबसे महत्वपूर्ण बात है कि इन पांच तत्वों का शरीर में संतुलन होना ही हमारे स्वास्थ्य की गारंटी भी है। इसी क्रम में आयुर्वेद व योग में ऋषि परंपरा के इस तथ्य को स्वीकार किया गया है कि मनुष्य के शरीर में भी आकाश तत्व का स्थान होना चाहिए। जिसका अभिप्राय है कि हम खाना ठूंस-ठूंस कर न खाएं, व्रत करें। योग में मान्यता रही है कि हम आधा पेट ही भोजन करने से स्वस्थ रहते हैं। पेट में एक चौथाई भाग पानी और एक चौथाई भाग वायु यानी आकाश तत्व के लिये होना चाहिए। जिससे शरीर में जठराग्नि खाने को सहजता से पचा सके। यह निर्विवाद सत्य है कि हम बीमार अधिक खाने तथा कम श्रम करने से होते हैं। एक उम्र के बाद शरीर में अधिक भोजन की आवश्यकता नहीं होती। कह सकते हैं कि हमारे पूर्वजों ने शरीर को स्वस्थ्य रखने तथा आध्यात्मिक उत्थान हेतु नवरात्र जैसे व्रत का विधान किया। इस दौरान देवी पूजा नारी सशक्तीकरण का पर्याय है तो कन्या पूजन बेटियों को सामाजिक सुरक्षा देने का संकल्प है। पूरे जाड़ों में लोग ठंड से बचने के लिये गरिष्ठ व ज्यादा पौष्टिक खाना खाते हैं। यह महाव्रत हमारे पाचन तंत्र को विश्राम देने के लिये होता है ताकि गर्मियों में हम हल्का व सुपाच्य भोजन का सेवन आसानी से कर सकें।

बरसती आफत

वैसे तो आज भी भारत में खेती बारिश के भरोसे ही फलती-फूलती है। मानसूनी बारिश का इंतजार किसान शिद्दत से करता है। लेकिन यदि यही बारिश बेमौसमी हो तो आफत का सबब बनती है। पिछले कुछ दिनों से पश्चिमी विक्षोभ से होने वाली बारिश ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। दरअसल, खेतों में गेहूं की फसल पक चुकी है। किसान अनाज खलिहानों से निकालकर मंडी ले जाने की तैयारी में है। इसी तरह सरसों की फसल भी पक चुकी है। पिछले दिनों से उत्तर भारत के कई राज्यों में हुई बेमौसमी बरसात से गेहूं-सरसों की फसल को काफी नुकसान हुआ। जहां सरसों में बीज तैयार हो चुका था, ओलावृष्टि से वो बिखरा है। दूसरी ओर जो सरसों मंडियों तक पहुंची थी, वह बारिश से भीग गयी। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ग्लोबल वार्मिंग से जो तापमान वृद्धि हुई है, उससे मौसम के मिजाज में तीव्र परिवर्तन आया है। कुल मिलाकर हमारी खाद्य श्रृंखला पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। बारिश की आवृत्ति, उसके समय और गुणवत्ता में बदलाव आया है। बारिश तेज होती है और कम समय के लिये होती है। पिछले दिनों अचानक तापमान में समय से पहले हुई वृद्धि को गेहूं की फसल के लिये नुकसानदायक माना जा रहा था। पिछले साल भी ऐसा ही हुआ था कि समय से पहले तापमान वृद्धि से भरी-पूरी फसल के बावजूद गेहूं का दाना छोटा रह गया था। जिससे उत्पादकता में कमी आई और किसान को नुकसान उठाना पड़ा। ऐसे में जब बारिश हुई तो कयास लगाये जा रहे थे कि तापमान में कमी आना गेहूं की फसल के लिये लाभदायक रहेगा। लेकिन तेज बारिश ने किसानों के अरमान पर पानी फेर दिया है। किसान व हरियाणा में नेता विपक्ष मांग कर रहे हैं कि फसलों को हुए नुकसान का आकलन करके तुरंत किसानों को राहत राशि दी जाये। निस्संदेह, यह वक्त की जरूरत भी है। पिछले दिनों देश के विभिन्न भागों में किसान आलू-प्याज की भरपूर फसल होने के बावजूद कीमतों में आयी गिरावट का त्रास झेल रहे थे। कहीं सड़कों पर आलू बिखेरने व आलू की फसल पर ट्रैक्टर चलाने की खबरें आ रही थीं तो नासिक में प्याज उत्पादकों के आंदोलन की सुगबुगाहट थी। वहीं किसान संगठन भी अपनी पिछली मांगों पर केंद्र का सकारात्मक प्रतिसाद न मिलने के बाद दिल्ली में फिर एकजुट हुए हैं।

नव संवत्सर सृष्टि के प्रति आभार जताने का उत्सव

वैदिक काल गणना का इतिहास विश्व की अन्य काल गणनाओं में सबसे अधिक प्राचीन, वैज्ञानिक, गणतीय, तार्किक और शास्त्रीय है। वेदों में काल गणना का जितना वैज्ञानिक, विशद और सूक्ष्म चिंतन किया गया है, वह आज के विज्ञान के मुताबिक भी तार्किक, प्रामाणिक और तथ्यपरक है। अन्य काल गणनाओं में वैज्ञानिकता, तार्किकता और प्रामाणिकता नहीं है। वे किसी न किसी महापुरुष, किसी घटना या जन्म दिन से शुरू होती है, जिसमें समय के बारे में चिंतन की सूक्ष्मता नहीं है। इन काल गणनाओं में खगोलीय पक्ष भी वैज्ञानिक व शास्त्रीय नहीं है। ज्ञान परम्परा में नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को माना जाता है। इस दिन सृष्टि की शुरुआत हुई। काल के प्रारम्भ के साथ आयु की गणना की शुरुआत भी इस दिन से हुई। ऋग्वेद के नासदीय सूक्त के मुताबिक सृष्टि के पहले सत? नहीं था और असत? भी नहीं था। न धरती बनी थी और न आकाश ही बना था। न मृत्यु थी न अमरत्व था। यानी कुछ भी नहीं था। चित्रा नक्षत्र से ताल्लुक रखने वाले चैत्र मास की प्रतिपदा को गणितीय गणना के मुताबिक यह शून्य की स्थिति थी। और इसलिए सृष्टि की शुरुआत की गणना पूरी तरह वैज्ञानिक है। जो सृष्टि चल रही है उसकी आयु 1 अरब 97 करोड़, 58 लाख 85 हजार एक सौ चौबीस वर्ष हो चुकी है। आधुनिक विज्ञान के मुताबिक भी सृष्टि की आयु यही है। लेकिन यह मानव का आविर्भाव काल नहीं है। मनुष्य का इस धरती पर जन्म वर्तमान चतुर्युगी माना जाता है। इसकी गणना इस प्रकार की गई है, जिसमें 4,32,00,00,000 सौर वर्ष का ब्रह्मा का दिन माना गया है। पूर्ण ब्रह्म को 14 मन्वंतरों में बांटा गया है। इन मन्वन्तरों में से छह बीत चुके हैं। 28वीं चतुर्युगी का सत?युग, त्रेतायुग, द्वापरयुग बीत चुके हैं। और कलियुग के 5119 वर्ष बीत चुके हैं। सृष्टि रचना का कार्य तब शुरू होता है जब परमाणुओं की साम्यावस्था भंग होती है। सूर्य सिद्धांत के मुताबिक ब्रह्मा को सृष्टि की रचना करने में 47,400 दिव्य वर्ष लगे थे। गौरतलब है देवताओं का एक वर्ष (एक दिव्य वर्ष) हमारी पृथ्वी के 360 सौर वर्ष के बराबर होता है।

नव संवत्सर का वर्णन वेदों से लेकर आधुनिक काल गणना के ग्रंथों में पाया जाता है। इससे जो घटनाएं, धार्मिक अनुष्ठान, जीवन दर्शन और सांस्कृतिक संबंध जुड़े हैं, वे सहज रूप से हमारे जीवन, समाज, कला, अध्यात्म और विज्ञान से भी जुड़े हैं। नवरात्र में नव दिनों में किए जाने वाले व्रत उपवास और फिर रामनवमी पर भगवान राम के प्रति आस्था, श्रद्धा, उनके जीवन से लिए जाने वाली प्रेरणाएं और आत्मोन्नति का रास्ता भी इस विशेष अवसर से जुड़ा हुआ है। संस्कृत के तमाम ग्रंथों में नव संवत्सर मानव चेतना की नूतनता की अभिव्यक्ति है। यदि हम अपने जीवन में नवीनता, मौलिकता और उत्तमता को अपनाएं तो नववर्ष हमारे जीवन का आधार हो सकता है।

आयुर्वेद में बारह महीनों के लिए अलग-अलग तरह के आहार-विहार बताए गए हैं। हर तीन महीने में ऋतु में बदलाव आ जाता है। चैत्र यानी अप्रैल में ठंड खत्म हो जाती है और गर्मी की शुरुआत होने लगती है। प्रकृति में खास तरह का बदलाव देखने में आता है। हर तरफ नयापन, नव उल्लास और नई तिथि का नये भाव के साथ हम स्वागत करते हैं। एक-दूसरे के प्रति आनंद का भाव भी इस नयेपन में दिखाई देता है। महीने का शुक्ल पक्ष कृष्ण पक्ष की अपेक्षा अधिक सकारात्मक ऊर्जा वाला होता है। सृष्टि की जब शुरुआत हुई तब से अब तक चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा का महत्व कई रूपों में रहा है। ऋतु बदलाव के कारण इसमें खास तरह के आहार-विहार करने का विधान आयुर्वेद में बताया गया है। इसी के साथ पर्यावरण की शुद्धि, आत्मशुद्धि, शरीरशुद्धि और मनशुद्धि का भी अवसर इस खास महीने में होता है।

यदि इंसान धरती और स्व-अस्तित्व को सुरक्षित व प्रवृद्ध रखना चाहता है तो उसे सृष्टि के विभिन्न घटकों- धरती, जल, हवा, अग्नि, आकाश को प्रदूषण से मुक्त रखना होगा। नव-संवत्सर में समय को उसके विभिन्न अंगों- वर्ष, मास, तिथि, वार, नक्षत्र आदि के साथ पूजन करने का मकसद वक्त की महत्ता को समझाना है। यानी वक्त के सदुपयोग से फायदा और दुरुपयोग से नुकसान होता है।

गुरु परंपरा और वक्त के अलबेले झमेले

कल मेरा नहीं, मेरे गुरुदेव के गुरुदेव का जन्मदिन था। सब टाइप के गुरुओं की सबसे बड़ी कमजोरी यही होती है कि उनको चाहे रोज कुछ भी दो, वे खुश नहीं होते। पर जो उनके जन्मदिन पर उन्हें सचित्र उनके चरणों में लेटे बधाई न दो तो वे बहुत नाराज हो जाते हैं। इसीलिए मेरे गुरुदेव के गुरुदेव के असली-फसली चेलों का फेसबुक पर व्हाट्सएप पर उनके लिए बधाइयों का तांता लगा हुआ था। ऐसी-ऐसी बधाइयां, ऐसी-ऐसी शुभकामनाएं कि... हर बधाई, शुभकामना पर दम निकले।

इसी सिलसिले में उनके सबसे प्रिय फसली चेले बोले तो मेरे परम गुरु को जब अपने गुरु के चरणों में अपने पड़े होने वाली वाली कोई तस्वीर फेसबुक पर डालने को नहीं मिली तो वे अधीर हो उठे। अचानक भंवर में फंसे उनके फसली चेले बोले तो मेरे गुरुदेव का फोन आया, 'और फसली चेले! क्या कर रहे हो?'

'अपने गुरु की बोई फसल को काटने की ताक फिराक में हूं गुरुदेव कि वह कब जैसे काटने लायक हो और मैं उस पर अपनी वफादारी की दराटी साफ कर...'

'तुम्हारी यह इच्छा शीघ्र पूरी हो वत्स।' उन्होंने मुझे उसी तरह आशीर्वाद दिया जैसे उनके गुरु उन्हें देते आए थे, पर वह फलीभूत आज तक न हुआ था, 'पर चेले अजीब-सी उलझन में फंसा हूं।'

'गुरु और उलझन में? उलझन में तो चेले रहते आए हैं गुरुदेव! कहिए गुरुदेव! क्या उलझन है?'

'आज मेरे गुरु का जन्मदिन है।'

'तो आपको बहुत-बहुत बधाई गुरुदेव।' मैंने उनके थ्रू उनके गुरु को बधाई दी तो उन्हें अपने चेले पर झूठा गुरूर हुआ।

'पर यार चेले, समस्या गंभीर है।'

'कितनी? पुरस्कार के रोग से भी गंभीर?'

'हां! कुछ ऐसी ही मान लो। दरअसल, मुझे अपने गुरु के चरणों में लोटने वाला सब चेलों से धांसू अपना कोई पुराना फोटो फेसबुक पर पोस्ट करने को नहीं मिल रहा। दो-चार मिले भी, पर एक में मैं मैं नहीं लग रहा तो दूसरे में वे वे नहीं लग रहे थे।' समस्या सच्ची को गंभीर थी।

'तो एक आइडिया है गुरुदेव!'

'क्या!' उनकी आवाज से लगा गुरु को ज्यों अपने चेले के चरणों की धूलि मिल गई हो।

'मेरे पास आपके चरणों वाले तीन-चार एक से एक ठस फोटो हैं।'

'पर यार! जन्मदिन मेरा नहीं, उनका है कुछ समझा करो न! तुम साहित्यिक स्तर पर ही नहीं, व्यावहारिक स्तर पर भी मेरे सबसे कमजोर हुए चेले हो।'

'सब आपका स्नेह गुरुदेव! अब आप ऐसा कर सकते हो कि फोटोशॉप पर जाकर उनमें से अपनी सबसे पसंद की एक फोटो को एडिट कर अपने सिर पर अपने गुरुदेव का सिर लगा दो और मेरे सिर पर अपना। गुरु-शिष्य परंपरा भी बनी रहेगी और आपका काम भी हो जाएगा। फिर देखना! आपके गुरुदेव आपको अपने मठ का वारिस घोषित कैसे नहीं करते?'

जीतो बैंगलुरु नार्थ युवाओं का बैक टू स्कूल संपन्न

पुष्पांजली टुडे

बेंगलुरू। स्कूल के पुराने दिनों में वापस ले जाने तथा स्कूल की विभिन्न खेल गतिविधियों को याद दिलाने के उद्धेश्य से जीतो बेंगलुरु नार्थ की युवा विंग द्वारा चिक्कबाणावार स्थित एडिफ़ स्कूल में बैक टू स्कूल का आयोजन किया गया। आयोजन की विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं हेतु युवा खिलाड़ियों की 8 टीमो ने प्रतिस्पर्धा जीतने हेतु नीलामी के बाद से 15 दिनों तक अथक अभ्यास किया। इस अभ्यास से न केवल उनके खेल कौशल में निखार आया साथ ही आपसी जुड़ाव और गहरी दोस्ती की राह भी खुली। संयोजक ऋषभ बोहरा, सह संयोजक यश मेहता व गेम मास्टर अभिषेक जैन के अनुसार अरिहंत ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट के मुख्य प्रायोजन, सामर कैमिकल के जर्सी व ट्रॉफी प्रायोजन, एडिफ स्कूल के स्थान सहयोग तथा बैंगलुरु टिंडीं के फूड सहयोग से यह आयोजन किया गया। खुशी चौहान व निकिता बड़ेरा की फेंटम बुल, योगेश चौधरी की शरत्व सेंटिनल्स, हर्ष सुराणा व आर्य दसानी की अतरंगीं आवाज, देव सामर की सामर टाइटन्स, अरिहंत जैन की आदिनाथ वारियर्स, अनिरुद्ध नंदावत की इनविजिबल यूनाइटेड, विनीत जैन की पितलिया पलटन तथा विपुल जैन की मास्टर ब्लास्टर टीम व उनके आइकॉन द्वारा मार्चपास्ट के पश्चात 13 खेल स्पर्धाओं आपसी प्रतिस्पर्धा प्रारंभ हुई। जिसमें 100 मीटर दौड़, लंबी कूद, मैराथन, वालीबाल, टेबल टेनिस, मुक्केबाजी, कबड्डी, 400 मीटर ओवरआल विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। विजेता टीम के मालिक देव सामर के अनुसार खिलाड़ियों के आपसी समर्थन एवं समर्पण की बदौलत ही उनकी टीम खिताब जीत सकी। खेल आयोजन में

रीले, बीटीएस दौड़ इत्यादि शामिल थे। खेल में अपना सबकुछ झोकने के पश्चात पितलिया पलटन, सामर टाइटन्स, मास्टर ब्लास्टर एवं इनविजिबल यूनाइटेड ने सेमी फाइनल के लिये जगह बनाई तथा बहुत संघर्ष व अपना सर्वश्रेष्ठ देने के पश्चात अंततोगत्वा सामर टाइटन्स ने पितलिया पलटन को हराकर इनविजिबल यूनाइटेड को सर्वश्रेष्ठ मार्च पास्ट, मास्टर ब्लास्टर को ऊर्जावान टीम, इनविजिबल यूनाइटेड के रौनक चौधरी को सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी, मास्टर ब्लास्टर की वैशाली जैन को सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी और टीम सामर टाइटन्स को चैम्पियन टीम घोषित किया गया। आयोजन की शुरुआत जीतो अपेक्स निदेशक नरेंद्रसिंह सामर,जीतो नार्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया, कोषाध्यक्ष विजय सिंघवी, अपेक्स स्वास्थ्य व पोषण संयोजक निशा सामर, केकेजी जोन युवा संयोजक अंकित जैन, नार्थ सचिव व युवा संयोजक देव सामर, अरिहंत ग्रुप की यशस्वी नागोरी, नार्थ सचिव सिद्धार्थ पटवा, नार्थ निदेशक विमलेश भंडारी व नितिन कटारिया, साउथ निदेशक अक्षय मेहता, नार्थ महिला कोषाध्यक्ष मधु कटारिया, सुष्मिता सेठिया, महेंद्र बोहरा, गिरीश दाँतेवाडिया, अभिषेक बलडोटा, साउथ युवा अध्यक्ष पिंकेश मेहता, मुख्य सचिव संदीप पगारिया द्वारा उद्घघाटन से हुई। नार्थ युवा विंग अध्यक्ष मनीष कोठारी ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने आयोजन के सभी सहयोगकर्ताओ को धन्यवाद दिया। मुख्य सचिव खुशी पोरवाल ने अप्रैल महीने में आयोजित होने वाले दो कार्यक्रम सर्फ क्लब व कृत्रिम बुद्धिमत्ता की जानकारी दी। आयोजन टीम में युवा कोषाध्यक्ष ऋषभ सुराणा, उपाध्यक्ष निशांत जैन, आशीष जैन, अभिनव बैताला, हसी चौहान, मनमीत बोहरा, सिमरन खीवेसरा, कुणाल खीवेसरा, अभिनंद जैन, प्रियंका जैन, दर्शन जैन, महावीर जैन, जतिन जैन, अरिहंत पटवारी, नमन बोहरा इत्यादि सम्मिलित थे।

डॉ. लोहिया समाजवादी विचारधारा के व्यक्ति थे : नीरज यादव

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। देश में बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, छात्र-छात्राओं में हताशा की किरणें और आए दिन राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन इस ओर इशारा करती हैं कि राम मनोहर लोहिया की समाजवादी विचारधारा आज भी प्रासंगिक है। आज देश के महानायक भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु और डॉ. राम मनोहर लोहिया को एक साथ याद करने का दिन है। 23 मार्च को जहां भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के शहादत का दिन है तो वहीं महान समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती भी है। डॉ. लोहिया एक ऐसे चिंतक और नेता थे, जिन्होंने अपने जन्मदिन को शहादत दिवस को समर्पित कर दिया। वे कहते थे कि यह जन्मदिन से अधिक अपने महानायकों को याद करने का दिन है, जो बहुत कम उम्र में शहादत देकर समाज को एक बड़ा सपना दे गया। ऐसी शहादतें समाज में एक नई सोच और सपने देखने के नजरिए को प्रतिफलित करती हैं, उस सपने को आगे बढ़ाने का दिन है। यह बात डॉ. लोहिया जयंती कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज यादव ने जिला कार्यालय पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। जिला समाजवादी पार्टी भिण्ड के द्वारा डॉक्टर राम मनोहर लोहिया जी की जयंती मनाई गई जिसमें जिसमें समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष नीरज यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे उन्होंने डॉ राम मनोहर लोहिया जी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला और उनके पद चिन्हों पर चलने की शपथ दिलाई । कार्यक्रम में हजूरी सिंह बघेल, प्रदेश

कार्यसमिति सदस्य भूपेंद्र गुर्जर, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष अशोक डंडोतिया, जिला महासचिव दीपक यादव, डीके जिला उपाध्यक्ष राधामोहन सिंह, सिमराव जिला उपाध्यक्ष सूरज बघेल, जिलाध्यक्ष यूथ बिर्गेड आकाश यादव, जिलाध्यक्ष युवजन सभा जितेंद्र कुशवाह, जिला सचिव दिनेश यादव, अनिल यादव, विधानसभा उपाध्यक्ष श्रीकृष्ण कुशवाहा, विधानसभा अध्यक्ष मेहगांव जगदीश यादव, सुकाण्ड विकास यादव, अशीष यादव,भरत सिंह, मोतीपुरा राजपाल सिंह,अजंट यादव पारस यादव फूप आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मौ नगर में विद्युत विभाग द्वारा चलाया गया बकाया वसूली अभियान मार्च 2023 जिसमें वार्ड नंबर 13, 14 में कांटे कई लोगों के कनेक्शन

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़

मार्च में मौ नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 13 एवं 14 में करीब 3.50 लाख बकाया राशि जमा ना करने वाले सभी कनेक्शनों को विद्युत विभाग की टीम के द्वारा काटे गए कनेक्शन इस मौके पर सहायक प्रबंधक मनीष कुमार मधुराज मनोहर गौर बृज किशोर यादव सतवीर गुर्जर हरेंद्र यादव गोटी राम कुशवाहा सूर्य प्रकाश पवैया पंकज यादव एवं सभी विद्युत कर्मचारी उपस्थित रहे।

गोहरापदर में हिंदू नववर्ष पर निकली भव्य बाईक रैली,उत्साह में डूबे नवयुवक

संवाददाता हेमचंद नागेश

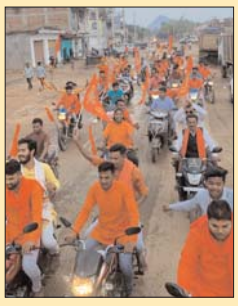

गोहरापदर भारतीय नववर्ष विक्रम सम्वत् 2080 का प्रथम दिवस पर पूरा देश नववर्ष के उत्साह में सराबोर हैं।इसी तारतम्य में गोहरापदर नगर में भी सनातनियों ने भव्य बाईक रैली निकली।नगर सहित पूरे अंचल से सैकड़ों लोग जमा हुए। गोहरापदर के ह्रदय स्थल बजरंग चौक में आराध्य प्रभु श्री राम के तैलचित्र में पूजा अर्चना के पश्चात बस स्टैंड होते हुए नगर के मुख्य मार्ग से बाईक रैली गुजरी.ग्राम के गली मोहल्लों में भ्रमण करते हुए यात्रा आगे बढ़ी जहाँ से सभी नवयुवक बाईक रैली के माध्यम से ही झरगाँव होते हुए तेतलपारा में चल रहें रामायण पाठ में शामिल हुए जहाँ इस यात्रा का समापन हुआ।नवर्ष में पूरे ग्रामवासी हिंदुत्व के रंग में रंगे नज़र आ रहे थे। प्रमुख रूप से पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन माँझी, भाजपा मंडल अध्यक्ष गुरुनारायण तिवारी, विहिप के नेता गौरीशंकर कश्यप, मंडल महामंत्री तानसिंह माँझी, भाजयुमो नेता चंद्रप्रकाश साहू, गुनसागर यादव, लिकेश वैष्णव, अभाविप जुलिा संयोजक रंजन यादव, अभाविप नगर मंत्री क्षितिजनारायण तिवारी,मोहन यादव,कृष्णकांत वैष्णव, डेविड यादव, भूनेश्वर सिन्हा, केशव अग्रवाल, भक्तचरण दौरा, डिकलेस कुलदीप, दीपक कश्यप, बिक्कु यादव, मनीष सिन्हा, सौरव साहू सहित सैकड़ों सनातनी शामिल हुए।

एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद राजगुरु सुखदेव भगत सिंह की जयंती मनाई गई

जगदीश पाल रिपोर्टर खनियाधाना

पिछोर, पिछोर अनु विभागीय अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरवास में आज एबीवीपी कार्यकर्ताओं द्वारा अमर शहीद राजगुरु सुखदेव भगत सिंह को याद किया गया जिसमें एबीवीपी कार्यकर्ताओ द्वारा उनको याद किया गया और भगत सिंह को कोटि-कोटि नमन करते हुए कार्यकर्ताओं द्वारा दीप प्रज्जवलित कर अमर शहीद भगत सिंह को याद किया गया जिसमें एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने उनकी याद में दीप प्रज्वलित कर अमर शहीद याद किया।

अम्बाह पुलिस को मिली बड़ी सफलता 60 हजार ईनामी कुख्यात गैंगस्टर बदमाश मय हथियार व 02 साथियों सहित गिरफ्तार

अम्बाह। अम्बाह शहर के प्रतिष्ठित सराफा व्यवसायी एवं बीजेपी पार्षद संतोष वर्मा के यहाँ पर ईनामी गैंगस्टर द्वारा अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर व्यवसायी की दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी इसके पूर्व ईनामी बदमाश द्वारा व्यवसायी संतोष वर्मा को 03/09/22 को एक धमकी भरी चिट्ठी भेजी थी जिसमे 05 लाख रुपये की मांग की गई थी जिसकी रिपोर्ट अम्बाह थाने मे अप.क्र.585/22 धारा 384 भादवि. का कायम किया गया जब उसके द्वारा पैसे नही दिये गये तो दिनांक 08/01/ 23 को संतोष वर्मा की दुकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई जिसका अम्बाह थाने मे अप.क्र.20/23 धारा 307,34 ताहि का कायम किया गया। शहर मे हुई इस बड़ी बारदात से पूरा व्यापार मण्डल एवं शहर के व्यवसायी दहशत में आ गये । पुलिस अधीक्षक मुरैना आशुतोष बागरी व अति. पुलिस अधीक्षक रायसिंह नरवरिया के निर्देशन मे तथा एसडीओपी अम्बाह परिमाल सिंह मेहरा के मार्ग दर्शन में उपरोक्त आरोपियों को पकड़ने के लिये एक टीम गठित की गई जिसमे थाना प्रभारी अम्बाह विनय यादव तथा पुलिस लाइन मे पदस्थ उनि जितेन्द्र शर्मा को नियुक्त किया गया। जिसके परिप्रेक्ष्य मे आज दिनांक 23/03/23 को सुबह मुखविर जरिये सूचना प्राप्त हुई कि ईनामी गैंगस्टर रछेड़ चौराहा होते हुये पिनाहट आगरा (उ.प्र.) भागने की फिराक मे है तब मुखविर की सूचना पर मय फोर्स रछेड़ चौराहे पर एम्बुलैस लगाकर ईनामी गैंगस्टर को तथा उसके साथियों को गिरफ्तार किया गया। गतिविधियों मे संलिप्त था जिसके द्वारा हत्या, हत्या

उक्त गैंगस्टर सन 2014 से आपराधिक के प्रयास जैसे कई संगीन अपराध घटित किये है जिसमे सबसे चर्चित पंकज सिकरवार हत्याकाण्ड ग्वालियर का किया गया था जिसे घटना दिनांक से आज तक लगभग 03 साल से ग्वालियर पुलिस इसकी तलाश कर रही थी इस पर पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रैन्ज द्वारा 30 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था तथा पुलिस महानिरीक्षक चंबल रैन्ज द्वारा भी 30 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था तथा पूर्व मे पुलिस अधीक्षक महोदय मुरैना द्वारा अन्य अपराधों मे 10 हजार रुपये का ईनाम घोषित किया गया था इस प्रकार कुल 70 हजार रुपये का ईनाम घोषित था इसके द्वारा अन्य कहाँ कहां बारदात की गई है इसके बारे मे विस्तृत पूछताछ की जायेगी ।

सराहनीय भूमिका–उक्त इनामी बदमाशों को गिरफ्तार करने में टीआई विनय यादव, एसआई जितेंद्र शर्मा, एसआई एसआई नरेश निरंजन थाना प्रभारी नगरा, एसआई विवेक तोमर, एसआई विवेक शर्मा, एसआई पारथसिंह परिहार, एसआई पंकज यादव, सीआई 125 वसन्त साहू, सीआई 345 महेंद्र सिंह, सीआई 707 महेश शर्मा, आर. 1049 नरेंद्र मौर्य, आर.334 सीताराम, आर. 1354 जगमोहन, आर.543 दीपक पचौरी, आर. 716 जोगेन्द्र, आर. 339 सतेन्द्र सिह, आर. 1344 दिनेश, आर. 114 योगेन्द्र आर. 171 धर्मेन्द्र, आर. 929 उमेश, आर. चालक 235 धर्मेन्द्र परमार, सैनिक 41 गिर्राज थाना अम्बाह और इसी प्रकार के सचिन पटेल सायबर सैल मुरैना, आर. रवि, ड्रड़आर. अजीत की भूमिकाएँ।

शिक्षक सुनील ठाकुर बना गांव के विकास का रोड़ा ग्रामीण हुए लामबंद शिकायत पहुंचा एसडीएम कार्यालय

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग- एक शिक्षक का कार्य होता है समाज को जागरूक करना दिशा दिखाना विकास कार्यों में हिस्सेदार बनना। लेकिन शिक्षक सुनील ठाकुर गांव के विकास मे उल्टी गंगा बहाते दिख रहे हैं। ग्रामीणों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को ग्रामीण लामबंद हुए शिक्षक के खिलाफ शिकायत लेकर पहुंचे एसडीएम कार्यालय शिकायत था कि शिक्षक सुनील ठाकुर द्वारा नाली ब्लॉक कर मनमानी रूप से बिना किसी अनुमति के अपने मनमर्जी दिखाते हुए ग्रामीणों को परेशान करने की मंशा से अतिरिक्त अवैधानिक निर्माण कार्य कर समस्त मोहल्ले वासी व जनता को परेशान कर रहा है। सुनील ठाकुर के द्वारा नाली को ब्लॉक करने के कारण पूरे मोहल्ले में पानी का जमाव तकरीबन 1 फीट हो रहा है जिससे आवागमन एवं स्वास्थ्य संबंधित समस्या खड़े होने का भयंकर आशंका जताई जा रहा है। जिसकी शिकायत लेकर ग्रामीण महिला पुरुष युवा बच्चे लामबंद होते हुए पहुंचे शिकायत लेकर एसडीएम कार्यालय। गांव के सरपंच से भी संपर्क हुआ इस विषय में मुझे कोई जानकारी नहीं है बताते हुए अपना पड़ला झाड़ते दिखे। एक और जहां सरकार गांव में विकास कार्य करवाने की कई दावे कर रही है वहीं दूसरी ओर सरगीगुडा ग्राम पंचायत में विकास की गंदी नाली से परेशान हो रहे हैं ग्रामीण। ग्राम सरगीगुड़ा के दुर्गा चौक से तालाब की ओर जाने वाले मार्ग के पास वाड क्रमांक04 के पास लगभग 20 वर्ष से नाली निर्माण किया गया है नाली निर्माण के पूर्व पानी मार्ग से बहकर तालाब की ओर जाता था क्योंकि पानी जाने हेतु अनुकूल स्थिति मार्ग ढलान तालाब की ओर था। सरगीगुड़ा निवासी श्री सुनील कुमार ठाकुर के पिता स्व.खुशीराम ठाकुर के द्वारा नाली के पानी को मार्ग किनारे स्थित कृषि जमीन में सिंचाई के उद्देश्य से जमीन का जीर्णोद्धार कर जमीन कि मिट्टी को खुदाई कर मार्ग में डाल दिया गया था मार्ग की जमीन उंचा होने पर मार्ग का पानी खेती में जाता था जिससे कोई परेशानी नहीं होती थी। वर्तमान में मार्ग पर गली कांक्रीट हो चुका है। अब सुनील कुमार द्वारा नाली के अंतिम छोर को बंद कर दिया गया है जिससे सारे गंदे पानी का बहाव बाधित होने के कारन पानी आवागमन मार्ग में ही बह रहा है जिससे गंभीर बीमारी उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है। एसडीएम अर्पिता पाठक:संज्ञान में लेकर भौतिक सत्यापन किया जायेगा।

सार समाचार

एमएलसी में टैक्सास सुपर किंग्स के कोच होंगे फ्लेमिंग

डलास । न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग मेजर क्रिकेट लीग में डलास स्थित टैक्सास सुपर किंग्स टीम के कोच होंगे जिसने आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ करार किया है। चार बार की आईपीएल चैम्पियन सीएसके ने हाल ही में कहा था कि अमेरिका में नये टी20 टूर्नामेंट के मुताल्लिक वह कोई बड़ा खुलासा करेगी। टीएसके ने एक बयान में कहा कि उसे सीएसके के अनुभव का मैदान पर लाभ मिलेगा। इसने एक बयान में कहा, टेक्सास सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग होंगे जो न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के कोच है। उन्होंने न्यूजीलैंड के कप्तान के तौर पर 2005 में पहला टी20 मेच खेला था। फ्लेमिंग के साथ सीएसके चार बार आईपीएल खिताब जीत चुकी है।

त्रिसा और गायत्री स्विस ओपन महिला युगल पहले दौर से बाहर

बासेल । आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप सेमीफाइनल तक पहुंची भारत की त्रिसा जॉली ओर गायत्री गोपीचंद की जोड़ी स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला युगल वर्ग के पहले दौर से बाहर हो गई। त्रिसा ओर गायत्री को दूसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की अप्रियानी राहायु ओर सिति फाडिया सिल्वा ने 21-14, 21-14 से हराया। पिछले सप्ताह आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए त्रिसा ओर गायत्री सेमीफाइनल तक पहुंची थी।

इस बीच मालविका बंसोड़ ने अमेरिका की लौरेन लाम को 21-17, 21-7 से हराकर महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। महिला युगल में सिक्की रेड्डी ओर आरती साहा ने पोला लिन काओ होक ओर लौरेन लाम को 21-15, 15-21, 21-18 से हराकर मुख्स ड्रॉ में क्वालीफाई किया।

डिनर के लिये रेस्त्रां में गए मेस्सी को प्रशंसकों ने घेरा

ब्यूनस आयर्स । यहां पालेरमो में हजारों फुटबॉलप्रेमियों ने एक रेस्त्रां को घेर लिया जब उन्हें पता लगा कि स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी उसमें डिनर कर रहे हैं। मेस्सी की एक झलक पाने के लिये लोग डॉन जूलियो रेस्त्रां के पास पहुंच गए। मेस्सी को बाहर निकलने के लिये पुलिस की मदद लेनी पड़ी। सड़क पर खड़े प्रशंसक 'मेस्सी मेस्सी' चिल्ला रहे थे। कतर में हुए विश्व कप में मेस्सी ने अर्जेंटीना को तीसरा खिताब दिलाया। विश्व कप जीतने से मेस्सी का अर्जेंटीना में वह दर्जा मिल गया जो सिर्फ माराडोना को हासिल था।

लेकिन विश्व कप से पहले हालात दीगर थे ओर टीम की नाकामी के लिये उन्हें ही कसूरवार ठहराया जा रहा था।

कहां हैं दिल्ली के अपने खिलाड़ी?

देश की राजधानी दिल्ली को भारत की फुटबाल राजधानी बनाने का सपना देखने दिखाने वालों की संख्या भले ही ज्यादा न हो लेकिन कुछ एक क्लब अधिकारी ओर फुटबाल प्रेमी यह मानते हैं कि देश की राजधानी की फुटबाल सही दिशा में बढ़ रही है। सालों बाद ही सही स्थानीय क्लबों ओर खिलाड़ियों के लिए दिल्ली फुटबाल लीग में खेलने के अवसर बढ़ रहे हैं। खासकर, छोटी आयुवर्ग के खिलाड़ियों के लिए किसी सपने के पूरा होने जेसा है।

बेबी लीग ओर सी डिवीजन से लेकर प्रीमियर लीग तक आयोजन हो रहे हैं ओर खिलाड़ियों को साल भर खेलने का मोका मिल रहा है। जाहिर है खिलाड़ी थोड़ा बहुत जेब खर्च भी पा रहे हैं। भले ही उन्हें भरण पोषण लायक नहीं मिल पाता लेकिन दिल्ली लीग फुटबाल उनके लिए आई लीग, आई एस एल ओर राष्ट्रीय टीम में स्थान बनाने का बेहतर प्लेटफार्म हो सकता है। फिर भी एक सवाल बार बार पूछा जाता है कि दिल्ली की फुटबाल में दिल्ली के अपने खिलाड़ी कितने हैं?

पांच से छह वर्गों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों पर सरसरी नजर डालें तो मेजबान राज्य के खिलाड़ियों की तादात लगातार घट रही है?ऐसा क्यों हो रहा है, इसका जवाब खुद दिल्ली के क्लबों के पास नहीं है या अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सही जवाब से आंख फेर लेते हैं। बड़े क्लब ओर स्थानीय इकाई के अधिकारी भी कुछ स्पष्ट नहीं बोलना चाहते। यह सच है कि दिल्ली की फुटबाल में बाहरी खिलाड़ियों के लिए दरवाजे हमेशा से खुले रहे हैं। अधिकांश बड़े क्लबों में अन्य प्रदेशों के खिलाड़ी खेलते आ रहे हैं लेकिन आज बहुत कुछ बदल गया है।

पहले बाहरी प्रदेशों के खिलाड़ी उंगलियों पर गिने जाने की संख्या में थे लेकिन आज हालत यह है कि दिल्ली के अपने कहे जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या नहीं के बराबर रह गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि बाहरी प्रदेशों से आने वाले खिलाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

बाहर के खिलाड़ियों के दम पर टिके स्थानीय क्लबों के अनुसार दिल्ली में लगातार स्तरीय खिलाड़ियों की कमी हुई है। चूंकि प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है इसलिए बाहरी खिलाड़ियों की अधिकाधिक भर्ती की जा रही है। पड़ोसी राज्य हरियाणा, यूपी, उत्तराखंड, पंजाब से लेकर पश्चिम बंगाल, मणिपुर, मिजोरम, सिक्किम, अरुणाचल, असम और अन्य कई प्रदेशों के खिलाड़ी स्थानीय क्लबों से खेल रहे हैं ओर खूब धमाल मचा रहे हैं। तारीफ की बात यह है जिन टीमों में अधिकाधिक बाहरी खिलाड़ी हैं उनकी जीत पक्की मानी जा रही है। इतना ही नहीं अधिकांश मेन आफ मेच भी बाहरी खिलाड़ी बन रहे हैं। बाहरी खिलाड़ियों की बढ़ती तादात को जहां एक ओर खेल के स्तर में सुधार के नजरिए से देखा जा रहा है तो कुछ स्थानीय क्लब ओर खिलाड़ी खौफजदा हैं।

इसलिए क्योंकि उन्हें दाल में काला नजर आता है। कुछ अधिकारियों ने अपना नाम न छापने की शर्त पर संदेह व्यक्त किया कि बाहर से आए कुछ खिलाड़ी अपना स्वाभाविक खेल नहीं खेल पा रहे। उनकी डोर कुछ ऐसे लोग थामे हैं, जिनका मकसद खेल बिगाड़ने का है। बेशक, यह गंभीर चिंता का विषय है।

पोलार्ड ने मुंबई के बल्लेबाजी कोच का काम संभाला

मुंबई ■

वेस्ट इंडीज के स्टार आलराउंडर कीरोन पोलार्ड ने मुम्बई इंडियंस के साथ अपना बल्लेबाजी कोच रोल शुरू किया और आईपीएल 2023 से पहले टीम के पहले अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया। पांच बार के आईपीएल चैंपियन मुम्बई के लिए पोलार्ड हमेशा लीडर रहे हैं और खिलाड़ी हमेशा उनके पास सलाह लेने के लिए गए हैं। अब वह पूर्ण बल्लेबाजी कोच की भूमिका में हैं तो युवा खिलाड़ी, जो पोलार्ड की सफलता को दोहराना चाहते हैं।

उनके साथ ज्यादा समय बिताना चाहते हैं ओर महत्वपूर्ण सबक लेना चाहते हैं। पोलार्ड ने पहले सत्र की समाप्ति के बाद कहा,मुम्बई इंडियंस की तरफ से खेलने ओर मुम्बई के लोगों का प्रतिनिधित्व करने की भावना को बयां करने के लिए शब्द कम पड़ जाते हैं। उन्होंने मेरे लिए बहुत कुछ किया है ओर एक खिलाड़ी के रूप में मैंने भी उनके लिए काफी कुछ किया है।

निखत, नीतू, स्वीटी ने भारत का पहला पदक पक्का किया

स्वीटी ने 2018 कांस्य पदक विजेता बेलारूस की विक्टोरिया केबिकावा पर 5-0 से जीत हासिल की।

नई दिल्ली ■

निखत ज़रीन, नीतू घंघास और स्वीटी बूरा की दमदार तिकड़ी ने बुधवार को महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपने-अपने क्वार्टरफाइनल मुकाबले जीतकर भारत के लिये पदक सुनिश्चित कर लिये। इंदिरा गांधी स्टेडियम पर जारी प्रतियोगिता में निखत ने 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टरफाइनल में थाईलैंड की छूतामत रक्षत को 5-2 से मात दी। नीतू ने 48 किग्रा वर्ग में जापान की मदोका वाडा को आरएससी (रेफरी द्वारा मैच को रोका जाना) पद्धति से हराया, जबकि स्वीटी (81+ किग्रा) ने बेलारूस की विक्टोरिया केबिकावा को 5-0 की करारी शिकस्त दी।

दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता रक्षत ने उत्तम दर्जे का खेल दिखाते हुए निखत को कड़ी टक्कर दी। गत विश्व चैंपियन निखत इस गलाकाट प्रतियोगिता में अपनी बेहतर तकनीकी क्षमता से जीत हासिल करने में कामयाब रहीं।

निखत ने जीत के बाद कहा, हां, आज का मुकाबला तनावपूर्ण था लेकिन मैं विभाजित निर्णय से जीती इसलिए मैं खुश हूं कि मैंने अपने देश के लिए पदक हासिल किया। आगे चलकर मैं स्वर्ण पदक भी जीतूंगा।

उन्होंने कहा, मेरी रणनीति आज पहले दो राउंड में जीतने की थी। मैंने दो राउंड 3:2 से जीते इसलिए अंतिम राउंड में मैंने दूर से खेलने का लक्ष्य रखा। अब तक मैंने जितनी भी बाउट खेली हैं, उनमें मुझे मुश्किल प्रतिद्वंदी मिले लेकिन मेरे लिये आगे बढ़ते रहना और उन्हें हराना एक अच्छा अनुभव रहा है। उम्मीद है कि मैं इसी तरह आगे बढ़ती रहूंगी और अपने देश के लिये लड़ूंगी।

निखत को जहां जीत हासिल करने के लिये कड़ा संघर्ष करना पड़ा, वहीं नीतू और स्वीटी ने एकतरफा मुकाबले जीतकर कांस्य पदक पक्का कर लिया।

नीतू ने मदोका को हराने के बाद कहा, ₹अभी तक जो भी मुकाबले हुए हैं उनमें मैं अच्छी तरह तकनीक का इस्तेमाल कर सकी हूं। मैंने तीनों मेच आरएससी से जीते हैं। अगले मुक्केबाज पर इससे दबाव बनेगा ओर मुझे फायदा होगा। उन्होंने कहा, हमारी पूरी टीम स्वर्ण पदक का लक्ष्य लेकर आयी है। हम अपना 100 प्रतिशत देकर स्वर्ण लेकर जायेंगे। पिछली बार मैं स्वर्ण से चूक गयी थी लेकिन इस बार मैं बेहतर तैयारी करके आयी हूं। भारत में घरेलू दर्शक होने से भी फायदा है इसलिये मैं स्वर्ण को हाथ से नहीं जाने दूंगी।

स्वीटी ने कहा, बेलारूस की मुक्केबाज (विक्टोरिया) एक विश्व पदक के साथ एक बहुत अच्छी मुक्केबाज है ओर अपरकट सहित हमारी दोनों ताकतें समान हैं। मुझे पता था कि मुझे अंत तक लड़ना होगा। मैं आखिरी राउंड तक थोड़ा थक गयी थी लेकिन मेरे कोच रिंगसाइड से लगातार प्रेरित कर रहे थे।

दर्शकों में मेरा परिवार भी था जिनमें से सभी को मुझसे बहुत उम्मीदें थीं। मेरी अगली बाउट निश्चित रूप से इससे बेहतर होगी क्योंकि मैं जितने मेच खेलती हूं उससे हमेशा बेहतर होती जाती हूं।

निशानेबाजी विश्वि कप में सरबजोत ने जीता स्वार्ण

भोपाल ■

सरबजोत सिंह ने बुधवार को आईएसएसएफ निशानेबाजी विश्वी कप की पुरुष एयर पिस्टल प्रतियोगिता में स्वर्ण जीतकर आयोजन में भारत को पहला पदक दिलाया। सरबजीत ने यहां दस मीटर एयर पिस्टपल प्रतियोगिता के फाइनल में अजरबैजान के रुस्लान लुनेव को 16-0 से मात दी। सरबजीत के हमवतन वरुण तोमर ने कांस्य पदक हासिल किया।

क्वालिफिकेशन राउंड में 21 वर्षीय सरबजोत 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि चीन के लियू जिनयाओ 584 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। सरबजोत ने छह क्वालिफिकेशन सीरीज में 98, 97, 99, 97, 97, 97 के स्कोर के साथ शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया। रैंकिंग दौर में सरबजोत और लियू जिनयाको के साथ स्विट्जरलैंड के जेसन सोलारी (583), उज्बेकिस्तान के व्लादिमीर स्वेचिंको (582), डेनमार्क के फ्रेडरिक लार्सन (580), चीन के झांग जी (580), रुस्लान (579) ओर वरुण (579) ने भी जगह बनायी।

रैंकिंग दौर के अंत में, सरबजोत (253.2 अंक) ओर रुस्लान (251.9) ने क्रमशः पहले ओर दूसरे स्थान पर रहकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया, जबकि वरुण ने 250.3 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता।

रैंकिंग

सिराज आईसीसी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके

दुबई ■

आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड ने वनडे गेंदबाजों के लिए बुधवार को जारी ताजा आईसीसी रैंकिंग में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शीर्ष स्थान से हटा दिया जिससे यह भारतीय तीसरे स्थान पर खिसक गया। एक अन्य आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी ऊपर की ओर बढ़कर सिराज के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गये।

स्टार्क ने भारत में तीन मैचों की श्रृंखला के पहले दो वनडे में प्रभावित किया था। सिराज ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में 29 रन देकर तीन विकेट झटककर शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को जीत दिलाने में मदद की थी। हालांकि वह दूसरे वनडे में काफी खर्चीले रहे, उन्होंने तीन ओवरों में 37 रन दे दिये जिससे वह शीर्ष रैंकिंग गेंदबाज का अपना स्थान गंवा बैठे।

दायें हाथ के इस तेज गेंदबाज को विशाखापत्तनम में दूसरे वनडे के दौरान मिचेल मार्श ओर ट्रेविस हेड ने धुन दिया था। सिराज इस साल जनवरी में वनडे में दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने थे। मुंबई में तीन विकेट झटकने वाले स्टार्क ने विशाखापत्तनम में दूसरे वनडे में 53 रन देकर पांच विकेट हासिल किये थे जिससे आस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर वापसी की थी।

हेजलवुड भारत के पूरे दौरे (चार टेस्ट ओर तीन वनडे) पर नहीं खेल पाये, लेकिन वह पहली बार वनडे में नंबर एक गेंदबाज बने। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ने कहा, हेजलवुड ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान जून 2017 में हासिल किया था ओर जिस पर वह अगस्त 2022 तक काबिज रहे थे, वह पहली बार वनडे में नंबर एक गेंदबाज बने।

मोहम्मद शमी ने मुंबई में मेच विजयी स्पैल डाला था, वह भी पांच पायदान के फायदे से सूची में 28वें स्थान पर पहुंच गये। केएल राहुल की नाबाद 75 रन की पारी ने भारत को खराब शुरूआत से उबरने में मदद की थ जिससे टीम ने पहले वनडे में पांच विकेट से जीत हासिल की थी।

मणिपुर में संगाई कप 31 मार्च से

इंफाल । इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) ने मणिपुर जूडो संघ (एमजेए) के सहयोग से आईआईएस-संगाई कप के आयोजन की घोषणा बुधवार को की। आईआईएस ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि आयोजन 31 मार्च से दो अप्रैल तक होगा।

आईआईएस संगाई कप की तैयारी में एमजेए सब-जूनियर, केडेट एवं जूनियर आयु समूहों में पूर्वोत्तर जूडो चैंपियनशिप के पहले संस्करण का आयोजन भी करेगा।

मियामी ओपन: जिओर्गी ने कानेपी को पछाड़ा

फ्लोरिडा ■

कैमिला जियोर्गी ने मियामी ओपन 2023 के पहले दौर में काइया कानेपी को 3 घंटे 32 मिनट में मात देकर डब्ल्यूटीए सीजन के सबसे लंबे मेच की बराबरी कर ली। पिछले महीने ऑस्टिन में एरिका एंड्रीवा ने इतने ही समय में हैरियट डार्ट को हराया था।

जियोर्गी के पास इस मेच को छोटा करने के मौके थे। उसने तीसरे सेट में 5-0 की बढ़त बनाई और 5-3 और 5-4 दोनों में एक मेच प्वाइंट हासिल किया, लेकिन कानेपी ने मंगलवार को तीसरे गेम में 5-5 से बराबरी करने के लिए लगातार पांच गेम जीतकर गेम में वापसी की। तीसरे सेट के टाईब्रेक में जियोर्गी ने फोरहैंड विनर दागकर पहला मिनी ब्रेक 4-2 से अपने नाम किया। जियोर्गी उसके बाद आगे बढ़ती गई और अपने चौथे मेच प्वाइंट पर एक और फोरहैंड दाग कर मेच अपने नाम कर लिया।

समाचार-आसपास

यंगस्टर्स सुपर सिक्स में

नई दिल्ली । मेन आफ द मेच लेजेंड सिंह के शानदार खेल के चलते पश्चिम हीरोज ने यंगस्टर्स एफसी को गोल

शून्य बराबरी पर रोक कर अंक बांट लिए। दिन के दूसरे मेच में बंग दर्शन ने रॉयल एफसी को 2-0 से हराया। दीपक दास ओर मैन आफ द मेच अंशुल ने गोल किए। यंगस्टर्स को सुपर सिक्स में पहुंचने के लिए सिर्फ एक ड्रॉ की जरूरत थी ओर गोलकीपर लेजेंड ने सार्थक जेडका की पेनल्टी रोक कर यंगस्टर्स को अंक बांटने के लिए विवश कर दिया। पश्चिम हीरोज के छोटी उम्र के खिलाड़ियों ने यंगस्टर्स का डट कर मुकाबला किया ओर वाह वाह लूटी। बंग दर्शन ने भले ही मेच जीता लेकिन दोनों टीमें सुपर सिक्स में नहीं पहुंच पाई।

कैंसर मुक्त हुई नवरातिलोवा, टीवी कमेंट्री पर लौटी

लंदन,एपी। महान टेनिस खिलाड़ी मार्तिना नवरातिलोवा ने कहा है कि वह गले ओर स्तन के कैंसर से उबर चुकी हैं ओर मियामी ओपन के जरिये टीवी चैनल के लिये अपने काम पर लौट आई हैं। 18 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैम्पियन ने कहा, वापसी करके अच्छा लग रहा है। यहां आकर रोमांचित हूं। काम करके खुश हूं। उन्होंने कहा कि कैंसर के उपचार के दौरान उनका स्वाद चला गया ओर 15 पाउंड वजन भी कम हो गया। वह आस्ट्रेलियाई ओपन ओर बीएनपी परीबस ओपन में टीवी पर नजर नहीं आई। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, जहां तक मुझे डॉक्टरों ने बताया है कि अब मुझे कैंसर नहीं है। मैं चेकअप कराती रहूंगी।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित होंगी पीटी उषा

तिरुवनंतपुरम,आईएएनएस। केरल का केंद्रीय विश्वविद्यालय भारतीय एथलीट पीटी उषा को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित करेगा। उन्हें सम्मानित करने का फैसला खेलों में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए लिया गया था। 58 वर्षीय उषा, एक पूर्व भारतीय रेलवे अधिकारी थी, अब वह राज्यसभा सदस्य हैं। पिछले साल दिसंबर में, उन्हें भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध चुना गया था। मैदान पर अपने विशिष्ट करियर में, उन्होंने एशियाई खेलों ओर एशियाई चैम्पियनशिप में 19 स्वर्ण सहित 33 पदक जीते हैं। वह लगातार चार एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट थीं ओर उन्होंने 1985 में जकार्ता एशियाई एथलेटिक मीट में पांच स्वर्ण सहित छह पदक भी जीते थे।

जानी बेयरस्टो आईपीएल 2023 से बाहरः रिपोर्ट

नई दिल्ली,आईएएनएस। विकेटकीपर-बल्लेबाज जानी बेयरस्टो आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि इंग्लैंड उन्हें जून 16 से शुरू होने वाले एशेज के लिए पूरी तरह से फिट चाहता है। द टेलीग्राफ में एक रिपोर्ट में कहा गया है, जब यह स्पष्ट हो गया कि वह पंजाब किंग्स के एक अप्रैल को सत्र की शुरूआत के लिए पूरी तरह फिट नहीं हो पाएंगे, तो फ्रैंचाइजी ने फैसला किया है कि वह अभियान में हिस्सा नहीं ले पाएंगे।

अगले कुछ दिनों में इस संदर्भ में औपचारिक घोषणा की जायेगी। बेयरस्टो का आईपीएल 2022 में बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा था। वह 11 पारियों में मात्र 23 के औसत से 253 रन ही बना पाए थे।

मैं डांसर बनना चाहती थी: मेघा

अभिनेत्री मेघा चक्रवर्ती, जो वर्तमान में टेलीविजन शो 'इमली' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, उन्होंने साझा किया कि उन्हें डांस में अधिक रुचि थी और अभिनय उनके दिमाग में कभी नहीं था, लेकिन यह अचानक हुआ। उन्होंने कहाः मैं एक डांसर बनना चाहती थी, लेकिन अभिनय अचानक हो गया। मैंने अभी-अभी एक ऑडिशन में अपना शॉट दिया और सेलेक्ट हो गया.. और फिर मेरा सफर शुरू हो गया। शो के सफल होने और इमली के रूप में सुम्बुल तौकीर से संबंधित दर्शकों के शो में शामिल होने के बारे में बात करते हुए, मेघा ने कहा कि उस पर अपनी जगह बनाने का बहुत दबाव था।

जैसा कि उन्होंने कहाः निश्चित रूप से क्योंकि इमली पहले से ही हिट थी। निर्माता कहानी में कुछ बदलाव चाहते थे और यह इमली को पहले की तरह बनाए रखने और टीआरपी बनाए रखने का दबाव था। मैं दर्शकों को खुश रखने की कोशिश कर रही हूं और हम एक नई टीम के रूप में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। 'बड़ी देवरानी', 'कृष्णा चली लंदन' जैसे शो कर चुकीं मेघा ने कहा कि इंडस्ट्री में बहुत प्रतिस्पर्धा है और सफलता हासिल करना आसान नहीं है।

उन्होंने कहा, हर क्षेत्र में गलाकाट प्रतिस्पर्धा है। आपको कई बार अस्वीकृति का सामना करना पड़ता है और कभी-कभी आप कारणों को नहीं समझ पाते। यह सब हमारे काम का हिस्सा है। इस इंडस्ट्री में भी नेपोटिज्म है और कुछ लोगों को आसानी से जॉब मिल जाती है। लेकिन बाद में , उन्हें अपनी ताकत भी साबित करनी होगी। उनके लिए भूमिका पाना आसान है और बाद में, प्रतिभा का प्रदर्शन उन पर निर्भर करता है। हम जैसे लोग, जो इंडस्ट्री से नहीं हैं।

कम कॉन्टैक्ट्स की वजह से पैर जमाने में मुश्किल होती है। टीवी में भी बहुत प्रतिस्पर्धा है लेकिन नए लोगों को भी मौका दिया जाता है इसलिए यह एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है।

तेलगू फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करेंगी नुपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन की बहन नुपूर सेनन तेलगू फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। नुपूर सेनन, रवि तेजा की फिल्म 'टाइगर नागेश्वर राव' के साथ तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। नुपूर सैनन ने बताया, अब तक जिन भी लोगों से मैं मिली हूं, रवि उनमें से सबसे ज्यादा विनम्र हैं। मैं जब भी सेट पर जाती हूं, मुझे वो दुनिया देखकर बहुत अच्छा लगता है जो रवि ने सेट पर क्रिएट की है। ये बहुत ही बढ़िया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ जाएंगे।

रवि तेजा की हिंदी बढ़िया है।रवि कई बॉलीवुड एक्टर्स से भी बेहतर हिंदी बोल लेते हैं। वह मेरी काफी मदद करते हैं। रवि बिलकुल डाउन टू एअर्थ रहते हैं। मेरे पास तेलुगु में डायलॉग आते थे।जितना हो सका उन्होंने मेरे लिए इसे इतना आसान बनाया। मैं तो ये कहूंगी कि दुनिया में सेल्फिश एक्टर्स की कोई कमी नहीं है लेकिन, रवि एक एक्सेप्शन हैं। उन्होंने मेरे लिए इस फिल्म को काफी आसान कर दिया। बताया जा रहा है कि 'टाइगर नागेश्वर राव' एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। यह 1970 में सेट एक्शन थ्रिलर है। वामसी इस फिल्म के निर्देश हैं। इस फिल्म में जीवी प्रकाश का म्यूजिकल स्कोर है। अभिषेक अग्रवाल इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

छिपकली का पहला गाना रिलीज

बॉलीवुड अभिनेता यशपाला शर्मा की आने वाली फिल्म छिपकली का पहला गाना जिंदा हूं मैं रिलीज हो गया है।यशपाल शर्मा ,योगेश भारद्वाज एवं तनिष्ठा विस्वास अभिनीत फिल्म छिपकली का पहला गाना जिंदा हूं मैं जी म्यूजिक ने रिलीज किया है। इस गाने को शान ने गाया है।शान ने इस गाने को बहुत खूबसूरत तरीके से गाया है और यशपाल शर्मा के इमोशंस ने इस गाने में जान डाल दी है। 'जिंदा हूं मैं' गाने के लिरिक्स सोहम मजूमदार ने लिखे है और म्युजिक डायरेक्टर मीमो हैं। सुआन सिल्वर स्क्रीन द्वारा निर्मित स्टूडियोग्राफी इंटरटेनमेंट प्रेजेंट। छिपकली के निर्माता मीमो एवं सर्वेश कश्यप, निर्देशक कौशिक कर हैं।छिपकली का निर्देशन कौशिक कर ने किया है।।मुख्य भूमिका में यशपाल शर्मा,योगेश भारद्वाज एवं तनिष्ठा विस्वास हैं। छिपकली 07 अप्रैल को रिलीज होगी।

अक्षय ने अपनी फिल्म का पोस्टर शेयर किया

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म का पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अक्षय कुमार ने अपनी आने वाली फिल्म के पोस्टर को शेयर करते हुए लिखा है, हम उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। प्रोडक्शन नंबर 27. 01 सितंबर, 2023 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। अक्षय की इस फिल्म का अभी तक कोई नाम नहीं रखा गया है।इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा राधिका मदान और परेश रावल लीड रोल में हैं और फिल्म को सुधा कोंगड़ा निर्देशित कर रही हैं। कहा जा रहा है कि अक्षय की यह नयी फिल्म तमिल फिल्म सोरई पोत्रू का हिंदी रीमेक है।

विचार पेज का शेष

बैंक विफलः क्या अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संकट?

बीबीसी के फ़ाइनेंस एडिटर साइमन जेक ने इसे समझाते हुए बताया कि सूद की दर में वृद्धि ने ₹उन सबसे सुरक्षित पूंजी निवेश के मूल्य को भी प्रभावित किया है जिसमें बैंक अपनी कुछ रक़म रखते हैं। इसने पूंजी निवेशकों को डरा दिया है और सभी बैंकों के शेयरों के मूल्य को गिरा दिया है जिससे बैंकों को बहुत अधिक नुक़सान पहुंचा है। वॉल स्ट्रीट पर सबसे बड़ी बैंकिंग कारपोरेशंस को सैन फ्रैंसिस्को स्थित टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में महारत रखने वाले एक और बैंक 'फ़र्स्ट रिपब्लिक' के बचाव के लिए लिक्विडिटी उपलब्ध करानी पड़ी है। और फ़ेडरल रिज़र्व ने माना है कि आम तौर पर अमेरिकी बैंकों को आकस्मिक ऋण देने के मामले बढ़े हैं।

क्या यह बैंकिंग का संकट है?

विश्लेषक इस बात पर सहमत हैं कि जिस समस्या ने 2008 में पूरे बैंकिंग सिस्टम को प्रभावित किया था वह आज नहीं है।उस समय दुनिया भर के बैंकों को अचानक पता चला कि वह अमेरिकी रियल एस्टेट मार्केट में नाकाम पूंजी निवेश का शिकार हो गए हैं। इसके कारण सरकार को बड़े बेल आउट (संकटकालीन सहायता) करने पड़े, वित्तीय संकट पैदा हुआ और वैश्विक आर्थिक बदहाली सामने आई।उसके बाद से बैंकों को अधिक लिक्विडिटी रखने और इस तरह के ख़तरे को कम करने पर मजबूर करने के लिए नियम लागू किए गए हैं।

ज़्यादातर विशेषज्ञों का विचार है कि अभी की समस्याओं का सीमित प्रभाव पड़ेगा।नोबेल पुरस्कार विजेता पॉल क्रुगमेन ने इस हफ़्ते एक कॉलम में लिखा कि यह साल 2023 है, साल 2008 नहीं है। ₹हम शायद कोई सिलसिलेवार औपचारिक आर्थिक संकट नहीं देख रहे हैं।₹

इसके बावजूद बैंकिंग की दुनिया बेहद पेचीदा है और व्यवस्था में नई कमज़ोरियों की तरफ़ ध्यान दिलाना मुश्किल है। जैसा कि वर्तमान ब्याज की दर और पूंजी निवेशकों के विश्वास में उतार-चढ़ाव की वर्तमान स्थिति में देखा जा रहा है।

इसके अलावा बैंकों की वित्तीय सेहत के बारे में घबराहट अक्सर महामारी की तरह होती है, और अगर एक ग्राहक अपनी जमा पूंजी के बारे में चिंता करने लगे तो वह अपने बैंक की वेबसाइट या ऐप से केवल कुछ सेकंड में अपनी रक़म निकाल सकता है। बहरहाल, विश्वास पूरी तरह ख़त्म हुए बिना भी आर्थिक संकट की ओर इशारा करता है। हम देख सकते हैं कि रेगुलेटर्स नियमों को और कठोर बना रहे हैं और बैंक क़र्ज़ देने के लिए बहुत अधिक तैयार नहीं हैं।यह विशेषकर इस संवेदनशील समय में विश्व की अर्थव्यवस्था को सुस्त कर सकता है जबकि बढ़ती हुई क़ीमतें उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं।

मेरे पैसों का क्या होगा?

कम से कम अमेरिका और यूरोप में नागरिकों को अपनी बचत के संबंध में डर नहीं होना चाहिए।यहां तक कि किसी बैंक या बिल्डिंग सोसायटी के नाकाम होने की असामान्य स्थिति में भी उनकी जमा पूंजी के लिए सुरक्षा उपलब्ध है।

अमेरिकी सरकार ढाई लाख डॉलर तक के सभी बैंक डिपॉज़िट की वापसी की गारंटी देती है।अमेरिका में पूंजी की सुरक्षा अलग-अलग तरह के बैंकिंग प्रोडक्ट्स को कवर करती है। चेक और बचत खाते से लेकर प्रीपेड कार्डस और डिपॉज़िट के सर्टिफ़िकेट्स तक।एसवीबी और सिग्नेचर बैंक के मामले में अमेरिकी सरकार ने एक और क़दम आगे बढ़ाया और ढाई लाख डॉलर तक की जमा की पूरी गारंटी दी। लेकिन ढाई लाख डॉलर की सीमा से अधिक पर इस तरह की गारंटी नहीं है। और अगर भविष्य में कोई दूसरा बैंक फ़ेल हो जाता है तो शायद ही वह दोबारा ऐसा करें।दूसरी तरफ़ यूरोपीय यूनियन में एक लाख यूरो की रक़म पर डिपॉज़िट प्रोटेक्शन है जबकि ब्रिटेन में यह 85 हज़ार पाउंड तक की रक़म पर मिलती है।

बहुत से विश्लेषकों का विचार है कि वर्तमान संकट के दूसरे घाटे तो हो सकते हैं, लेकिन अधिक नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।बीबीसी की व्यापार संवाददाता धर्शिनी डेविड कहती हैं कि मार्केट की हलचल के नतीजे जीवन के बढ़ते ख़र्चों के प्रभाव को कम कर सकते हैं।

उन्होंने ख़ासतौर पर तेल और गैस की क़ीमतों में कमी का ज़िक्र किया जो पिछले कई हफ़्तों के हंगामे के दौरान देखी गई है जिससे उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ कुछ कम हुआ है।

(साभार- बीबीसी.कॉम)

बहुरंग

'केडी द डेविल' से शिल्पा शेट्टी का फर्स्ट लुक रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी की आने वाली फिल्म 'केडी द डेविल' से उनका फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। शिल्पा शेट्टी जल्द ही कन्नड़ सुपरस्टार ध्रुव सरजा के साथ फिल्म 'केडी द डेविल' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म से शिल्पा शेट्टी का फर्स्ट लुक भी मेकर्स ने जारी कर दिया है। यह एक गैंगस्टर ड्रामा फिल्म है, जिसमें शिल्पा अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी। 'केडी द डेविल' के जारी पोस्टर में शिल्पा ने ब्लैक पोल्का डॉट्स वाली व्हाइट साड़ी पहनी हुई है, जिसके साथ में उन्होंने रेड ब्लाउज पहना हुआ है। शिल्पा नेअपने लुक को चेहरे पर ब्लैक चश्मा, माथे पर बिंदी और हाथों में चूड़ी पहनकर कंपलीट किया है। फिल्म में उनका नाम सत्यवती होगा।

ध्रुव सरजा की फिल्म 'केडी द डेविल' 1970 के दशक की कहानी पर्दे पर दिखाने वाली है। इस फिल्म का निर्देशन प्रेम कर रहे हैं। फिल्म को केवीएन प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म को मेकर्स कन्नड़ से अलावा हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में भी बनाने वाले हैं।इस पैन इंडिया गैंगस्टर ड्रामा फिल्म में संजय दत्त भी नजर आएंगे।

दिलचस्प

कामाख्या मंदिर में रानी मुखर्जी ने लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी मंगलवार को 45 साल की हो गईं। इस मौके पर देवी का शुक्रिया अदा करने और अपनी फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए उनका आशीर्वाद लेने के लिए असम के कामाख्या मंदिर गईं। एक्ट्रेस ने कहा कि यह जरूरी है कि अपने सबसे खास दिनों में किसी के सबसे करीब होना चाहिए। रानी ने बताया, यह मेरे जन्मदिन के लिए है। क्योंकि मुझे लगता है कि ये जन्मदिन बहुत खास रहा है, क्योंकि सभी दिनों और महीनों में फिल्म ('मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे') मार्च को रिलीज हुई, जो मेरा जन्मदिन का महीना है और जिस तरह का प्यार मुझे मिल रहा है मेरे जन्मदिन पर, ऐसा लग रहा है कि मेरे करियर में फिर से एक नई शुरुआत हुई है। महामारी के बाद, यह मेरी पहली फिल्म है।

एक्ट्रेस ने कहा,इसलिए, मैं मां काली से आशीर्वाद लेना चाहती हूं, मूल रूप से धन्यवाद कहना चाहती हूं और उनका आशीर्वाद मुझ पर बनाए रखना चाहती हूं। यह हमेशा जरूरी है कि हमारे सबसे खास दिनों में हम किसके साथ जुड़ते हैं उसके सबसे करीब रहें।

विचार पेज का शेष

बैंकिंग संकट और प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं

इसके जवाब में बैंक का मैनेजमेंट कई बार बदल चुका है। यह सब इस तथ्य को नहीं बताता है कि इसकी वित्तीय स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। 2008 के ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस के बाद से अपने सबसे बड़े नुकसान की सूचना देने के बाद से इसे अपने वरिष्ठ प्रबंधन को दिए जाने वाले बोनस को कम करना पड़ा था। दूसरे शब्दों में, कुछ समय से क्रेडिट सुइस में चीजें अनिश्चित हैं और अमेरिकी बैंकिंग संकट से मामलों में मदद नहीं मिल रही थी।

हालांकि, जिस चीज ने वास्तव में संकट के कगार पर खड़े इस बैंक को गर्त की ओर धक्का दिया, वह क्रेडिट सुइस के सबसे बड़े शेयरधारक-सऊदी नेशनल बैंक द्वारा दिया गया एक बयान था, जिसमें कहा गया था कि यह क्रेडिट सुइस में और पैसा नहीं लगाएगा। यूरोप में बैंकिंग शेयरों में पहले से ही कमजोर निवेशकों ने इस बयान पर अलार्म के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की। क्रेडिट सुइस की अगुआई में सभी बैंकिंग शेयरों में भारी गिरावट आई।यह साफ था कि अब क्रेडिट सुइस और स्विस बैंकिंग नियामकों को इन गंभीर रूप से कमजोर होती नसों को ठीक करने के लिए कुछ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। बुधवार को स्विस फाइनेंशियल मार्केट सुपरवाइजरी अथॉरिटी और स्विस नेशनल बैंक ने ऐसा करने के उद्देश्य से एक बयान जारी किया।

ब्याज दरों में वृद्धि से उन समस्याओं के बढ़ने की संभावना है, जिनके कारण इस तरह का संकट पहली बार में आया था। लेकिन उन्हें न बढ़ाना इस बात की स्वीकारोक्ति होगी कि यह ईसीबी की नीतियां थीं जो संकट का कारण बनीं। क्योंकि इस तथ्य का उल्लेख नहीं किया गया कि मुद्रास्फीति फिर से बढ़ जाएगी। इससे यह भी संकेत मिलता कि संकट वास्तव में काफी गंभीर था।जैसा कि होता है, ईसीबी ने इसका ध्यान रखा और मुद्रास्फीति को कम करने पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया। ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी की, जैसा कि उसने पहले कहा था कि वह करेगा। ईसीबी के अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने कहा, 'मुद्रास्फीति बहुत लंबे समय तक बहुत अधिक रहने का अनुमान है। इसलिए, गवर्निंग काउंसिल ने आज दो प्रतिशत मीडियम-टर्म के लक्ष्य के लिए मुद्रास्फीति की समय पर वापसी सुनिश्चित करने के हमारे दृढ़ संकल्प के अनुरूप तीन प्रमुख ईसीबी ब्याज दरों में 50 आधार अंकों की वृद्धि करने का फैसला किया।'चीजें अभी भी नाजुक हैं और बैंकिंग क्षेत्र की नब्ज अभी भी कमजोर है, लेकिन ऐसा लगता है कि तत्काल संकट को दूर कर लिया गया है। लेकिन अगले हफ्ते एक और कहानी होगी!

कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन ने हॉस्पिटल में प्रसूति महिलाओं व नवजात शिशुओं के बीच मनाया नवरात्रि पर्व

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। ग्वालियर महानगर की चित परिचित समाजसेवी संस्था कावेरी वेलफेयर फाउण्डेशन ने गुडी पड़वा एवं चैत्र नवरात्रि स्थापना का पावन पर्व कमलाराजा महिला एवं बाल चिकित्सालय में प्रसूति महिलाओं एवं उनके नवजात शिशुओं के बीच मनाया।इस अवसर पर संस्था द्वारा नवजात शिशुओं एवं उनकी माताओं को वस्त्रों का वितरण किया।इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा श्रीमती हेमलता राव, कोषाध्यक्ष कंचन, श्रीमती परिना सिंह एवं सदस्यगण मौजूद थे।

डॉ गोविंद सिंह ने विधायक सतीश सिंह की माताजी का स्वर्गवास होने पर शोक व्यक्त किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

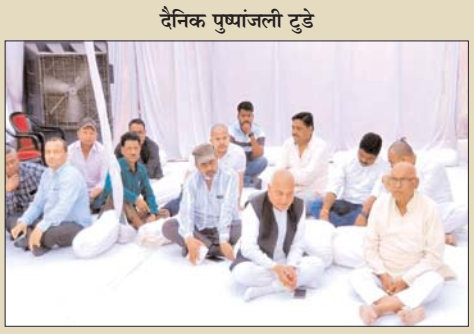

ग्वालियर। मध्यप्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने पूर्व विधायक गजराज सिंह सिकरवार की धर्मपत्नी, विधायक सतीश सिंह सिकरवार, ग्वालियर महापौर श्रीमती शोभा सतीश सिकरवार की सासु मां, व पूर्व विधायक सत्यपाल सिंह सिकरवार की माताजी के स्वर्गवास हो जाने पर शोक व्यक्त किया । डॉ सिंह ने उनके निज निवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की व परिवारजनों से भेंटकर सांत्वना दी।

वाहन के लिए बैंक से ऋण लेने हेतु ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि आज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के क्रियान्वयन हेतु म.प्र.स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन के प्रदाय केन्द्रों से उचित मूल्य दुकानों पर खाद्यान्न एवं अन्न सामग्री का परिवहन हेतु बेरोजगार युवकों को बैंक के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र 24 मार्च 2023 तक आमंत्रित किये गये हैं। कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने ऑनलाईन प्राप्त आवेदनों के परीक्षण हेतु समिति का गठन किया है। गठित समिति में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे। सदस्य के रूप में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, उपायुक्त सहकारिता, जिला आपूर्ति अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, जिला लीड बैंक अधिकारी एवं जिला प्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग को नियुक्त किया गया है। उपरोक्त समिति पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का परीक्षण कर निर्धारित मापदण्ड अनुसार पात्र पाए गए हितग्राहियों के दस्तावेज संबंधित सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा को ऑनलाईन प्रेषित किये जाने हेतु प्रस्ताव रखेगी।

भारत माता के सच्चे देशभक्त सपूतों महान क्रांतिकारियों को श्रदांजलि अर्पित की

पुष्पांजलि टुडे ब्यूरो विनोद पाठक

श्योपुर। श्योपुर न्यू बस स्टेण्ड पर भारत की आज़ादी के लिए अपना बलिदान देने वाले, भारत माता के सच्चे देशभक्त सपूतों, महान क्रांतिकारियों, अमर शहीदों, अमर बलिदानियों भगतसिंह, राजगुरु एवं सुखदेव को उनके बलिदान दिवस पर याद किया गया इस अवसर पर भगतसिंह क्लब के अध्यक्ष एवं बस यूनियन के अध्यक्ष सोनू जाट, शान यात्रा कंपनी के संचालक ताहिर खान, एवं अन्य बस स्टॉफ के कर्मचारियों एवं यात्रियों नें बलिदान देने वाले महापुरुषों को याद किया और श्रदांजलि अर्पित की।

पीएसीएल के निवेशक अपनी जमा पूंजी के लिये परेशान

ग्वालियर। पर्ल्स एग्रो कारपोरेशन (पीएसीएल) कंपनी में अपनी जीवनभर की कमाई जमा करने वाले निवेशक अपने रिफंड के लिये परेशान हैं और कलेक्ट्रेट से लेकर हर जगह गुहार कर रहे हैं, लेकिन उनकी राशि अभी तक वापस नहीं मिल रही है। इस संदर्भ में अब सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने भी केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भेजकर निवेशकों का पैसा लौटाने के लिये पहल करने को कहा है। पीएसीएल कंपनी में अपनी जीवनभर की कमाई निवेशक करने वाले हरीशंक नामदेव भी बेहद परेशान है। उन्होंने पीएसीएल कंपनी में 2007 से 2014 तक निवेश किया था, अब पीएसीएल कंपनी के खाते सीज होने के कारण उनको अभी तक भुगतान नहीं मिल रहा है। नामदेव अपनी जमा पूंजी फंसने के कारण अब रोजी-रोटी को भी मोहताज है और उनको अब घर परिवार की जिम्मेदारी चलाने के लिये अपनी राशि चाहिये, लेकिन नामदेव सहित हजारों निवेशकों की कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है।

कलेक्टर पहुँचे जोन कार्यालय और महिलाओं को ई-केवायसी करके दिखाई

ग्वालियर। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना÷ का लाभ सभी पात्र महिलाओं को दिलाने के लिये समग्र आईडी एवं आधार मिलान (ई-केवायसी) का काम रात में भी किया जाए। सर्वर पर अधिक दबाव होने की वजह से दिन में ओटीपी आने में देरी हो रही है। रात में यह काम आसानी से किया जा सकता है। शासकीय सेवक घर-घर जाकर परिवार के सदस्यों से अपनी मौजूदगी में ईकेवायसी कराएँ, जिससे लोग स्वत- ही अपने घर पर ई-केवायसी कर सकें। इस आशय के निर्देश कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने दिए। कलेक्टर गुरूवार को निगम आयुक्त किशोर कान्याल के साथ ई-केवायसी कार्य का निरीक्षण करने के लिये नगर निगम के जोन कार्यालय और विभिन्न बस्तियों में पहुँचे थे।

कलेक्टर सिंह ने स्वयं भी काँचमिल स्थित नगर निगम के जोन कार्यालय में श्रीमती कृष्णा शोखावत सहित अन्य महिलाओं की ई-केवायसी करके दिखाई। इसी तरह उन्होंने इस क्षेत्र की अन्य बस्तियों में पहुँचकर महिलाओं व उनके परिजनों को ई-केवायसी के बारे में बताया। साथ ही कहा कि जिन महिलाओं के मोबाइल फोन नंबर आधार से लिंक हैं वे महिलायें अथवा उनके परिजन अपने घर पर ही अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन से आसानी से ई-केवायसी कर सकते हैं। जिनके मोबाइल फोन नम्बर आधार से लिंक नहीं हैं वे महिलायें अपने वार्ड के जोन कार्यालय के माध्यम से ई-केवायसी करा सकती हैं। कलेक्टर सिंह एवं नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल के अलावा जिला प्रशासन और नगर निगम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी गुरूवार को अभियान बतौर ग्वालियर शहर व जिले के विभिन्न कस्बों व ग्रामों में ई-केवायसी कराने पहुँचे। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अभियान बतौर घर-घर संपर्क कर ई-केवायसी कराएँ। उन्होंने कहा है जिन घरों की सभी महिलाओं के ई-केवायसी किए जा चुके हैं उन घरों के बाहर ई-केवायसी होने की जानकारी प्रदर्शित कराएँ। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने नगर निगम आयुक्त किशोर कान्याल से कहा कि ई-केवायसी के काम को युद्ध स्तर पर पूर्ण कराएँ। इसके लिये टीमों की संख्या भी बड़ाई जाए। साथ ही बड़े-बड़े शिविरों की बजाय हर गली मोहल्ले में छोटे-छोटे शिविर लगाए जाएँ, जिससे अधिकाधिक परिवारों तक हमारी पहुँच हो और सभी महिलाओं के ई-केवायसी हो जाए।

ग्वालियर को ईट राइट चैलेंज प्रतियोगिता भारतवर्ष में 5वां स्थान

ग्वालियर। खाद्य सुरक्षा परितंत्र में स्वास्थ्यप्रद एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों के विक्रय एवं निर्माण की संस्कृति विकसित करने एवं नागरिकों में गुणवत्तापूर्ण एवं स्वास्थ्य प्रति खाद्य पदार्थों की उपयोग तथा जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली ने गुरूवार को जारी ईट राइट चौलेंज प्रतियोगिता के द्वितीय संस्करण में समूचे भारतवर्ष में जिला ग्वालियर ने 5वॉ स्थान हासिल किया है।

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा भारतीयों के लिये सुरक्षित और स्वस्थ्य भोजन सुनिश्चित करने के लिये ईट राइट चैलेंज -2 अभियान चलाया गया। जिसमें देश के कुल 260 जिलों को नामांकित किया गया था। इस प्रतियोगिता के विभिन्न विधाओं में कुल 200 अंक निर्धारित किये गये थे। श्रीमान् आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियत्रंक महोदय खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश एवं श्रीमान् कलेक्टर महोदय के निर्देश पर श्रीमान् अभिहत अधिकारी अशोक चौहन एवं खाद्य सुरक्षा विभाग की खाद्य सुरक्षा अधिकारी लोकेन्द्र, राजेश गुप्ता, बृजेश शिरोमणि, गोविन्द नारायण सरगैयां, सतीश धाकड, श्रीमती निरूपमा शर्मा, दिनेश सिंह निम एवं सतीश शर्मा की संयुक्त टीम ने सतत् रूप से लाइसेंस/रजिस्टेशन कैंप आयोजित कर 20 प्रतिशत निर्धारित लक्ष्य से अधिक खाद्यकारोबार कर्ताओं के लाइसेंस/पंजीयन बनबाये। साथ ही साथ 300 से अधिक खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण भी दिया गया। शहर के फूलबाग चौपाटी को क्लीन स्टीट फूड हब का दर्जा मिला, इसी प्रतियोगिता के अंतर्गत ग्वालियर स्टेशन एवं डबरा स्टेशन को साफ, स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन के लिये ईट राइट स्टेशन के रूप में सर्टिफाइड किया गया। शहर के लक्ष्य से अधिक 95 होटल/रेस्टोरेन्टों को हाईजीन रेंटिग सुधार किया गया। तथा स्कूली छात्र-छात्राओं में हेल्दी एवं सेफ फूड खाने की आदत विकसित करने एवं होटल्स में ईट राइट टेबल कार्नर जैसे नवाचार गतिविधियॉ संपन्न कराई गयी जिससे जिससे इस प्रतियोगिता में 188 अंक हासिल कर ग्वालियर जिला को पॉचवी रैंक उपलब्धि मिली है। दरअसल, होटल, रेस्टोरेंट एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर की गई कार्रवाई और मिलावटखोरों पर प्रशासन द्वारा लगातार चलाई जाने वाली मुहीम के कारण ही देश में जिला ग्वालियर ने यह उपलब्धि प्राप्त की है। इस प्रतियोगिता के द्वितीय संस्करण के दौरान खाद्य सुरक्षा प्रशासन जिला ग्वालियर के अभिहित अधिकारी श्री अशोक चौहान के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा टीम ने लोगों में सही भोजन, बेहतर जीवन के लिये नई संस्कृति करने के उद्देश्य से 7 अगस्त 2022 को ईट वॉकथान रैली एवं ईट राइट मेला का आयोजित किया गया। वर्ष 2023 अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष में मिलेट्स के उपयोग को बढावा देने ओर लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से श्रीमान् कलेक्टर ग्वालियर के निर्देश पर अभिहित अधिकारी अशोक चौहान एवं खाद्य सुरक्षा विभाग ने 28.जनवरी 2023 को ग्वालियर जिले में मिलेट्स मेला का भव्य आयोजन किया गया। ईट राइट चैलेंज -2 के दौरान पूरे वर्ष भर श्री अशोक चौहान अभिहित अधिकारी एवं खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार सक्रिय रहते हुये चिन्हित 260 शहरों में से ग्वालियर शहर को समूचे भारतवर्ष में 5वें रैंक प्राप्त हो सकी है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ईट राइट चौलेंज प्रतियोगिता-2 में कोयम्बटूर शहर प्रथम स्थान पर एवं प्रदेश का भोपाल शहर 2वें, ग्वालियर 5वॉ, उज्जैन 8वे, रीवा 18 वे और इन्दौर 25वें स्थान पर है।

शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाले आरोपी को मालनपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पुष्पांजली टूडे, मालनपुर संवाददाता

मालनपुर/पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के निर्देशन में एवं गोहद अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सौरव कुमार के मार्गदर्शन में गुंडे ,बदमाश एवं फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई एवं पुलिस टीम ने गुरुवार को शादी का झांसा देकर बलात्कार करने वाले आरोपी संतोष पुत्र लक्ष्मण राणा उम्र 23 वर्ष निवासी इकहरा थाना बिजौली को यादव होटल के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दियाउक्त कारवाही में निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई थाना प्रभारी मालनपुर, उपनिरीक्षक बलवंत सिंह यादव ,प्रधान आरक्षक राजेश सिंह कुशवाह, प्रधान आरक्षक राघवेंद्र शुक्ला का सराहनीय योगदान रहा।

निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार एक महत्वपूर्ण अधिकार है

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के आदेशानुसार एवं सुनील दण्डौतिया जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के मार्गदर्शन में थाना देहात भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में मुख्य रूप से उपस्थित सुश्री चाहना शर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट भिण्ड ने उपस्थित जनों को पुलिस शिकायत प्रक्रिया तथा न्याय व्यवस्था के संबंध में विधिक साक्षरता के विषयों पर जानकारी देते हुए बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ संज्ञेय अपराध घटित होता है तो ऐसी परिस्थिति में समाज का कोई भी व्यक्ति संबंधित थाने में उपस्थित होकर उसकी जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को दे सकता है परंतु यदि थाना प्रभारी एफ.आई.आर. दर्ज करने से इंकार करता है तो संबंधित व्यक्ति जिले के पुलिस अधीक्षक को घटना से संबंधित जानकारी स्वयं उपस्थित होकर या पत्र के माध्यम से प्रदाय कर सकता है। इसके बावजूद यदि एफ.आई.आर. नहीं लिखी जाती है तो वह व्यक्ति धारा 156 (3) द.प्र.सं. के अंतर्गत संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवसर पर उपस्थित सौरभ कुमार दुबे जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड ने उपस्थितजनों को निःशुल्क विधिक सहायता योजना की जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं, बच्चों, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, समान्य वर्ग के लोग जिनकी वार्षिक आय 02 लाख रूपये से कम है निःशुल्क विधिक सहायता के पात्र हैं जिसका लाभ वे जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में उपस्थित होकर या पत्र के माध्यम से या टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। उक्त अवसर पर थाना प्रभारी, थाना देहात भिण्ड,थाना स्टॉफ एवं बृजेन्द्र कुमार पीएलव्ही भिण्ड उपस्थित रहे।

शहर के अचलनाथ शीश महल में सजा खाटू श्याम का दिव्य दरबार

श्याम बाबा के मधुर भजनों पर भक्तिरस में सराबोर होकर रात-भर झूमे बाबा के भक्त

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के अचलनाथ शीश महल में मंगलवार की बाबा के बेटो ने द्वितीय श्याम गुणगान महोत्सव का आयोजन किया।जिस दौरान हारे के सहारे खाटू श्याम बाबा का भव्य दिव्य दरबार सजाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलवार 21 मार्च 2023 को रात्रि 08-30 बजे हुआ।महोत्सव में बाहर से आये हुए आमंत्रित भजन गायकों ने शमा बांध दिया और अपने मनमोहक भजनों से रात भर बाबा को रिझाया।इस द्वितीय श्याम गुणगान महोत्सव में सुप्रसिद्ध भजन गायिका जयपुर से उमा लहरी,शीतल पाण्डे,ग्वालियर से ऋषिका ठाकुर व अतुल पारीक मौजूद रहे।बाबा का मनमोहक दिव्य दरबार को कलकत्ता से आये मशहूर कलाकारों के द्वारा सजाया गया था।वहीं इस द्वितीय श्याम गुणगान महोत्सव में शानदार म्यूजिक नरेश पूनिया ग्रुप के द्वारा दिया गया।श्याम महोत्सव में भजन गायिका उमा लहरी के द्वारा बाबा के दरबार मे मन को मोह लेने बाले भजनों की प्रस्तुतियां दी गयी।वहीं ग्वालियर की बेटी ऋषिका ठाकुर ने भी अपने सुरों का जादू बहुत खूब दिखाया और जमकर बाबा का रिझाया।वहीं अतुल पारीक ने भी भक्तो को ताली बजाने और नाचने पर मजबूर कर दिया।इसके कड़ी में शीतल पांडेय ने दरबार मे एक अलग ही जलवा बिखेर दिया।शीतल पांडे के भजनों ने मौजूद श्रोताओ को खूब रिझाया और भक्त श्याम रस रंग में सराबोर हो कर अपने पैरों पर खड़े हो गए भक्ति धारा में मस्त होकर झूमने लगे।शीतल पांडे के भजनों ने श्रोताओ को देर रात तक शर्दीली हवाओ के चलते रहने के बावजूद भी खुले आसमान के नीचे रुकने पर मजबूर कर दिया।भजनों का यह सिलसिला देर रात सुबद 04 बजे तक चला।इसके पश्चात बाबा की आरती कर भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया और कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।वहीं बाबा के बेटो ने सभी श्रोताओं के आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478